सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय -पेज: 7

दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 240 | मंगलवार 09 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' राज्य की प्रगति में योगदान देगा: खरगे

नई दिल्ली एजेंसी: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआ-ईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तेलंगाना सरकार के सोमवार से शुरू दो दिवसीय तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' की सफलता की कामना की और उम्मीद जताई कि यह आयोजन राज्य के दीर्घकालिक दृष्टिकोण में योगदान देगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि राज्य समावेशी विकास, नवोन्मेषी और वैश्विक जुड़ाव के उद्देश्य से एक दूरदर्शी एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना एक वैश्विक निवेश केंद्र और शहरी बुनियादी ढांचे एवं प्रौद्योगिकी में एक नवोन्मेष केंद्र के रूप में विकास करता रहेगा। खरगे ने र-विवार देर रात मीडिया के साथ स-झा किए गए पत्र में शिखर सम्मेलन में शामिल होने के निमंत्रण के लिए

वंदे मातरम ने देश को आजादी दिलाई, अब नई पीढ़ी को प्रेरणा देगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। आज सोमवार को संसद का आठवां दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत की। देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा की जा रही है। पीएम मोदी ने वंदे मातरम् पर हो रही चर्चा को गौरव का पल बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में बोलते हुए वंदे मातरम् पर हो रही चर्चा को गौरव का पल बताया। उन्होंने कहा, हमने इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक सामूहिक चर्चा का रास्ता चुना है। जिस मंत्र और जयघोष ने देश की आजादी के

आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी और त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था। उस वंदे मातरम् को स्मरण करना हम लोगों का सौभाग्य है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस पल के साक्षी बन रहे हैं आज हम वंदे मातरम की 150 वर्ष की सामूहिक ऊर्जा की अनुभूति कर रहे हैं उन्होंने कहा, एक ऐसा कालखंड जो हमारे सामने इतिहास की अनगिनत घटनाओं को अपने सामने लेकर आता है। यह चर्चा सदन की प्रतिबद्धता को तो प्रकट करेगी ही, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह शिक्षा का कारण बन

यह शिक्षा का कारण बन सकती.........

उन्होंने कहा, एक ऐसा कालखंड जो हमारे सामने इतिहास की अनगिनत घटनाओं को अपने सामने लेकर आता है। यह चर्चा सदन की प्रतिबद्धता को तो प्रकट करेगी ही, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह शिक्षा का कारण बन सकती है अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे।

सकती है अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे। आज हम वंदे मातरम की 150 वर्ष की सामूहिक ऊर्जा की अनुभूति कर रहे हैं। जब वंदे मातरम् के 100 साल पूरे हुए तो देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था पीएम मोदी ने वंदे मातरम् के 150 वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा, यह यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन वंदे मातरम् 50 वर्ष पूरे हुए तो देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब 100 साल पूरे हुए तो देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। देशभक्ति के लिए जीने-मरने वाले लोगों को जेल में बंद कर दिया गया था। दुर्भाग्य से एक काला कालखंड हमारे इतिहास में उजागर हो गया। वंदे मातरम् के 150 वर्ष उस महान अध्याय और गौरव को दोबारा स्थापित करने का अवसर उन्होंने कहा, 150 वर्ष उस महान अध्याय और गौरव को दोबारा स्थापित करने का अवसर है। मैं मानता हूं कि सदन और देश को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई।

वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए भी होना चाहिए: अखिलेश यादव

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वंदे मातरम्' सिर्फ गाने के लिए नहीं, बल्कि निभाने के लिए भी होना चा-हए, लेकिन आज के दरारवादी'' लोग इसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। अखिलेश ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। सपा सांसद ने कहा, हमारे सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। जो महापुरुष उनके नहीं हैं, या जो चीज उनकी नहीं है, उन्हें भी अपनाना चाहते हैं।'' अखिलेश ने कहा, वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं है, निभाने के लिए

भी होना चाहिए। सत्ता पक्ष के लोग आकलन करें कि हम इसे कितना निभा रहे हैं। आज के दरारवादी' लोग उसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया है, आज भी (दगा) कर रहे हैं।'' उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठन के समय उनके जो अध्यक्ष चुने गऐ थे, उन्हें जो भाषण देना था उस पर इस बात को लेकर बहस चली थी कि भाजपा धर्मनिरपेक्ष समाजवाद के रास्ते पर जाएगी कि नहीं।'' सपा सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई दिख-ावा, या राजनीति का विषय नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् इन्हीं (सत्तापक्ष) का बनवाया हुआ है।''

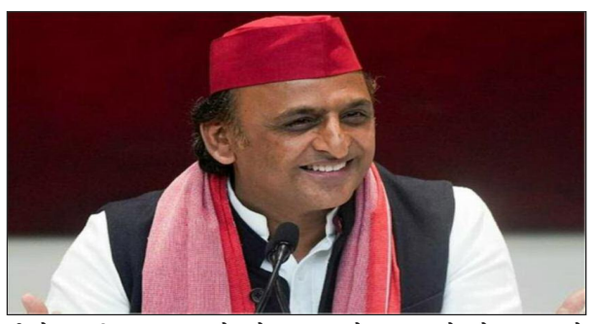

उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा, जिन्होंने आजादी के आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, वे वंदे मातरम् का महत्व क्या जानेंगे?'' उन्होंने उत्तर प्रदेश में प्राथमिकी विद्यालयों को एकीकृत किये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जब हम आजाद हैं, उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूल बंद किये जा रहे हैं। 26 हजार से अधिक स्कूल बंद हो गए।'' उन्होंने दावा किया कि जब पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज ने बच्चों को पढ़ाने की कोशिश की, तो भाजपा सरकार ने पढ़ने गये बच्चों और पढ़ाने गए लोगों पर मुकदमा कर दिया।

इंडिगो संकट पर सरकार सख्त, उड्डयन मंत्री नायडू बोले- 'क्रू मैनेजमेंट की खामी बनी वजह'

नई दिल्ली एजेंसी: इंडिगो एयरलाइन में हाल ही में उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने की घटना ने सरकार को सख्त रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। संसद के शीतकालीन सत्र में भी यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि उड़ानों के रद्द होने की मूल वजह एयरलाइन के भीतर मौजूद आंतरिक समस्याएं और क्रू प्रबंधन में गंभीर चूक थीं। उन्होंने कहा कि केंद्र स-रकार यात्रियों, पायलटों और क्रू से जुड़े सुरक्षा मानकों के प्रति किसी भी प्रकार के समझौते को स्वीकार नहीं करेगी। मंत्री ने बताया कि इंडिगो को अपना रोस्टर और क्रू मैनेजमेंट सही तरीके से संभालना चाहिए था, लेकिन आंतरिक जटिलताओं ने

संचालन को बाधित कर दिया और यात्रियों को भारी असुविधा झेलनी पड़ी। सरकार इस संकट को हल्के में नहीं ले रही राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार इस संकट को हल्के में नहीं ले रही है। उन्होंने चेताते हुए कहा कि किसी भी एयरलाइन द्वारा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और ऐसा उदाहरण पेश किया जाएगा जिसे अन्य सभी एयरलाइंस गंभीरता से लें।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अचानक उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई, जिसके लिए बनाए गए कड़े मानक (सीएआर) का पालन हर एयरलाइन के लिए अनिवार्य है। मंत्री ने जानकारी दी कि इंडिगो में सामने

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने पर सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए संसद में मुद्दा उठाया। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि संकट की वजह एयरलाइन की आंतरिक समस्याएं और क्रू मैनेजमेंट में गड़बड़ी थीं। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा पर कोई...

आए सॉफ्टवेयर संबंधी मुद्दों की जांच भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि उड्डयन क्षेत्र में तकनीक लगातार अपडेट की जाती है और सरकार का लक्ष्य है कि भारत का विमानन क्षेत्र दुनिया के सर्वोच्च सुरक्षा और संचालन मानकों को हासिल करे। भारत में नए एयरलाइंस के लिए अवसर बढ़े राम मोहन नायडू ने बताया कि यह भारत में एयरलाइंस शुरू करने का बेहतरीन समय है।

संसद में गूंजा 'वंदे मातरम', राजनाथ सिंह बोले- यह सिर्फ एक शब्द नहीं, यह आजादी का प्रतीक है

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के भीतर सोमवार को माहौल उस समय देशभक्ति की भावनाओं से भर उठा, जब केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वंदे मातरम पर बोलते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संघर्ष की आत्मा बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं है, यह एक भावना है, एक दर्शन है। यह भारत के स्वाभिमान और आजादी का प्रतीक है। उन्होंने याद दिलाया कि 1905 में बंगाल विभाजन के खिलाफ चले व्यापक आंदोलन के दौरान वंदे मातरम की गूंज पूरे देश में गूंज उठी थी, जिसने क्रांतिकारियों से लेकर आम जनता तक, सभी के दिलों में स्वतंत्रता की आग पैदा की। ब्रिटिश सरकार भी घबराई रक्षा मंत्री ने बताया कि वंदे मातरम के प्रभाव से ब्रिटिश हुकूमत इतनी विचलित हुई कि इसके विरोध में एक विशेष सर्कुलर जारी किया गया, जिसमें इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर पाबंदी लगाने का आदेश दिया गया। उन्होंने

कहा, इंग्लिश हुकूमत इतने दमन के बाद भी भारतीयों के मानस से वंदे मातरम को कभी मिटा नहीं सकी। वंदे मातरम समिति का गठन राजनाथ सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय चेतना को दिशा देने के लिए उस समय वंदे मातरम समिति का गठन किया गया था, जिसने आंदोलन को संगठित रूप दिया और जनसहभागिता बढ़ाई। रक्षा मंत्री ने कहा कि 1906 में जब पहली बार भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, तब उसके मध्यभाग में वंदे मातरम लिखा गया था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उस समय वंदे मातरम नाम से एक अखबार भी प्रकाशित होता था, जो स्वतंत्रता की आवाज बनकर उभरा।

राजनाथ सिंह ने कहा, वंदे मातरम ने भारतीयों में स्वाभिमान, साहस और आत्मबल जगाने का काम किया। यही वह नारा था, जो स्वतंत्रता सेनानियों के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष की प्रेरणा बना। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि संविधान, तिरंगे और वंदे मातरम जैसे प्रतीकों का सम्मान करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है।

वंदे मातरम भारत की आत्मा का हिस्सा, बंगाल चुनाव की वजह से आज बहस, लोकसभा में बोलीं कांग्रेस प्रियंका गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस पर अपना भाषण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा सर से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। प्रियंका ने कहा कि आज सदन में 'वंदे मातरम्' पर बहस की दो वजहें हैं। पहला बंगाल में चुनाव आने वाला है। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री महोदय अपनी भूमिका बनाना चाहते हैं। दूसरा जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं, ये सरकार

उन पर नए आरोप लादने का मौका चाहती है। ऐसा कर मोदी सरकार देश का ध्यान जनता के जरूरी मुद्दों से भटकाना चाहती है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पीएम मोदी के वंदे मातरम भाषण पर कहा क क्या 150 साल बाद वंदे मातरम पर बहस की जरूरत थी? देश को आजाद हुए 75 साल हो गए हैं; न तो उन्होंने और न ही जनसंघ ने कभी इस मुद्दे को उठाया। भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने की कोशिश कर रही है। वे जवाहरलाल नेहरू को गाली देते रहते हैं, लेकिन अब उन्होंने र-वींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान करना शुरू कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट्स में हो सकती है देरी, यात्री लेटेस्ट स्टेटस चेक कर घर से निकलें

नई दिल्ली एजेंसी: पिछले कुछ दिनों से इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट कैंसिल होने की वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट ने आज सोमवार सुबह एडवाइजरी जारी की, जिसमें यात्रियों से फ्लाइट से जुड़ी ताजा स्टेटस चेक करने की अपील की गई है। आ-ईजीआई एयरपोर्ट ने सुबह 6.30 बजे एडवाइजरी जारी की। इसमें लिखा है कि इंडिगो की फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि किसी भी असुविधा से बचने के लिए एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी एयरलाइन से फ्लाइट का लेटेस्ट स्टेटस चेक कर लें। एड-वाइजरी में लिखा है, हमारी टीमें रुकावटों को कम करने और यात्रा को आसान बनाने के लिए सभी संबंधित लोगों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। मेडिकल सहायता सहित किसी भी मदद के लिए कृपया

इन्फॉर्मेशन डेस्क पर जाएं, जहां हमारा ग्राउंड स्टाफ आपकी मदद के लिए तैयार है। इसके अलावा एयरपोर्ट आने-जाने के लिए मेट्रो, बस और कैब जैसे कई पब्लिक ट्रांसपोर्ट के ऑप्शन उपलब्ध हैं। रियल-टाइम अपडेट और जरूरी जानकारी के लिए कृपया दिल्ली एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। वहीं, इससे पहले केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने रविवार को कहा था कि एविएशन नेटवर्क तेजी से सामान्य हो रहा है और परिचालन पूरी तरह से स्थिर होने तक सुधारात्मक उपाय जारी रहेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की एक पोस्ट में बताया था, पिछले चार दिनों में एयरपोर्ट्स पर यात्रियों की परेशानियों को कम करने के लिए लगातार कई पक्षों से बातचीत की गई है और इसके साथ रियल-टाइम में स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। सभी ऑपरेटरों, ह-वाईअड्डा निदेशकों, ग्राउंड-हैंडलिंग एजेंसियों और अन्य सभी पक्षकारों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गई हैं।

वंदे मातरम पर चर्चा से डरती है कांग्रेस, अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल-प्रियंका पर साधा निशाना

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान संसद के निचले सदन को संबोधित करते हुए, अनुराग ठ-ाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत की। वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया। वंदे मातरम की सराहना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह राष्ट्र की आत्मा का गीत है और एक "महामंत्र" है। उन्होंने सदन में कहा कि यह सिर्फ.एक गीत नहीं, बल्कि

एक महामंत्र है। यह किसी धर्म, व्यक्ति या राज्य का गीत नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, गौरव और

वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया।

आकांक्षाओं का गीत है। यह राष्ट्र प्रेम की परंपरा है, इसीलिए कांग्रेस इससे डरती है। वे इतने डरे हुए हैं कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा शुरू की, तो इतने लंबे समय तक शासन करने वाले परिवार के दो सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ठ-ाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आज लोकसभा में दिया गया भाषण एक ऐतिहासिक दस्तावेज बन गया है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। वंदे मातरम एक ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह एक एलर्जी है। जुलाई 2018 में राहुल गांधी ने कहा था कि वंदे मातरम की केवल एक पंक्ति बोलें, नेहरू जी ने वंदे मातरम को दो छंदों तक सीमित कर दिया, और आज दोनों भाई-बहन लोकसभा से गायब हो गए। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में चर्चा के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति की भी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रगीत से समझौता किया और मुस्लिम लीग के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शीतकालीन सत्र के छठे दिन लोकसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि संसद में गंभीर चर्चा चल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन में मौजूद नहीं हैं। पहले नेहरू और अब राहुल गांधी ने वंदे मातरम का अनादर किया है।

संपादकीय

आय की गणना और खर्च की गणना

जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। जुलाई से सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक तरह का कौतुक पैदा किया है। जिस समय डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत गिरने के बावजूद व्यापार घाटा बढ? का ट्रेंड हो, 8.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करना अपने-आप में करिश्माई है। वैसे जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों में सबसे निम्न स्तर पर रही थी। स्पष्टतः उस निम्न आधार के कारण ताजा दर काफी ऊंची नजर आती है। इस बार नोमिनल जीडीपी 8.07 प्रतिशत दर्ज हुई। सरकार ने इससे 0.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर को घटाया, इसलिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी बताई गई है। मगर दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 1.9 प्रतिशत थी। पहले के चलन के तहत अगर नोमिनल दर को इससे डिफ्लेट किया जाता (यानी इसे घटाया जाता), तो जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत नजर आती। बहरहाल, ये सब आंकड़ों की बातें हैं। उन्हीं आंकड़ों का, जिन्हें जुटाने की विधि, आधार वर्ष, और अन्य खामियों को कारण बताते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सी ग्रेड में डाल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय खाता की संख्याओं में ऐसी खामियां हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था के वास्तविक प्रदर्शन की निगरानी बाधित हो जाती है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत के संदर्भ में जीडीपी को मापने के दोनों तरीकों- आय की गणना और खर्च की गणना- से आने वाली संख्या में ठोस फर्क आ जाता है। भारत में जीडीपी सरकार, जनता और कंपनियों की आय के आधार पर मापी जाती है। आदर्श स्थिति वह होती है कि जब उनके खर्च को आधार बनाया जाए, तब भी संख्या कमोबेस समान रहे। मगर भारत में ऐसा नहीं हो रहा है। इससे जीडीपी आंकड़ा समस्याग्रस्त हो जाता है। यह गंभीर टिप्पणी है। इसका परिणाम होगा कि भारत की ऊंची वृद्धि दर को अनेक हलकों में संदेश की निगाह से देखा जाएगा।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भ्रस्टाचार : लोकतंत्र की नींव को खोखला करती दीमक

दिलीप कुमार पाठक

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है तो समाज के तीन प्रमुख सदस्य माता, पिता और शिक्षक मिलकर काम कर सकते हैं - अबुल कलाम आजाद...

भ्रष्टाचार का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ति या पद का इस्तेमाल खुद के फायदे के लिए करता है। इससे लोगों का सरकार और संस्थानों पर भरोसा कम हो जाता है। लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, आर्थिक विकास धीमा हो जाता है, और गरीबी, असमानता, सामाजिक झगड़े और पर्यावरण की समस्याएँ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार किसी भी देश या समुदाय पर वही असर डालता है जो लकड़ी में घुन डालता है–शनै?शनै वह देश को खोखला कर देता है। आम शब्दों में कहे तो जायज या नाजायज काम कराने के लिए दिया जाने वाला अनुचित लाभ ही भ्रष्टाचार कहलाता है ' हर साल 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है ' यह दिवस 31 अक्टूबर 2003 को भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पारित होने के बाद से मनाया जाता है ' इसका उदेश्य लोगों को जगाना एवं जागरूक करना है, इसलिए आइए आज इसका अध्ययन करते हैं '

धनी देशों के कई लोग शायद यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करता, और सोचते हैं कि यह केवल विकासशील देशों की समस्या है। हालाँकि, भ्रष्टाचार इतना घातक है कि यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली के सभी हिस्सों में अपनी पैठ बना रहा है और अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को विकृत कर रहा है। हर साल लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर रिश्वत के रूप में दिया जाता है, जबकि लगभग 2.6 लाख करोड़डॉलर भ्रष्टाचार के कारण चोरी हो जाते हैं। यह कुल राशि पूरी दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन के 5 प्रतिशत से भी अधिक है। विकासशील देशों में भ्रष्टाचार से हुए नुकसान का अनुमान, उन देशों को मिलने वाली आधिकारिक सहायता की राशि से 10 गुना अधिक है। बहुत बड़ी रकम रिश्वत में जाती है, और उससे भी बड़ी रकम भ्रष्टाचार के कारण खो जाती है–जो दुनिया की कुल आय का एक बड़ा हिस्सा है, और गरीब देशों को मिलने वाली मदद से कई गुना अधिक नुकसान पहुँचाती है।

विश्व आर्थिक मंच का कहना है कि हर साल भ्रष्टाचार की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को लगभग 3.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अगर इस पैसे का थोड़ा-सा हिस्सा भी सही जगह इस्तेमाल किया जाए तो गरीबी हटाने, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाएँ बहुत बेहतर हो सकती हैं। हम सब एक ही धरती पर रहते हैं, इसलिए जब कुछ लोगों को जरूरत की चीजें नहीं मिलतीं, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। ब्राजील के किसान खाने के लिए अमेजन के जंगल काट रहे हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण युद्ध शुरू हो रहे हैं, जिससे बहुत सारे लोग शरणार्थी बन रहे हैं। असमानता और अन्याय की वजह से आतंकवादी गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। भ्रष्टाचार से बहुत सारा पैसा बर्बाद हो रहा है, जबकि वही पैसा गरीबी, बीमारी, शिक्षा और पर्यावरण जैसी बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है। जब हम इन समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं, तो पूरे दुनिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अधिक धन से नकारात्मक परिणाम ज़्यादा निकलते हैं, जब बहुत सारा पैसा राजनैतिक नेताओं और अधिकारियों को खरीद लेता है, तो उस क्षेत्र की सत्ता का ढाँचा बदल जाता है। गठबंधन और प्रभाव बदलने के साथ-साथ भू-राजनीतिक कारण भी काम करते हैं। निवेश योजनाएँ, कंपनियों का काम-काज और पैसे का प्रवाह सब पर असर पड़ता है, और इसका सीधा नुकसान उन लोगों को होता है जो सीधे भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते। जब भ्रष्ट धन को सफेद किया जाता है, तो बड़े शहरों में अचल संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही, भ्रष्ट अभिजात्य वर्ग लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। सरल शब्दों में अगर कहा जाए तो बहुत अधिक पैसा सत्ता को खरीद लेता है, आर्थिक गतिविधियों को बिगाड़ता है, आम लोगों की ज़िन्दगी में कठिनाई बढ़ती जाती हैं '

इस साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय मिलकर एक वैश्विक अभियान चला रहे हैं, 'भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट' अगर हम साथ मिलें तो कई चीजें बेहतर हो सकती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाना, ताकि लोगों की आवाज सुनाई दे। न्याय को बढ़ावा देना, ताकि हर किसी को उसका हक मिले। शिक्षा का समर्थन करना, ताकि सभी को सीखने का मौका मिले। समृद्धि लाना, ताकि लोगों के पास काम और पैसे हों। विकास की सुरक्षा करना, ताकि प्रोजेक्ट्स बिना बाधा के चलें। जन स्वास्थ्य में सुधार करना, ताकि सभी को बेहतर इलाज मिल सके। इन छोटे-छोटे कदमों से दुनिया भर में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

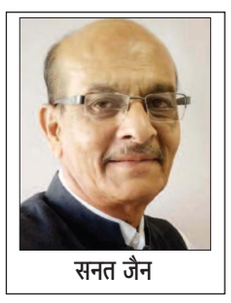

सनत जैन

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले ही इंडगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थीं। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पेड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रुपए तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत ओर एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहाँ यात्रा करते हैं। उनके समय की कीमत होती है। हजारों की संख्या में बूढ़े, बच्चे और महिलाएं यहां से वहां कई दिनों से मारे-मारे फिर रहे हैं। सरकार और विमानन कंपनियां अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रही हैं। न्यायपालिका भी हजारों यात्रियों को उनके ही भरोसे छोड़कर, पल्ला झाड़ लेगी, तो इस स्थिति में भविष्य में क्या हो सकता है। इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आजादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आई, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों की प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चचाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पश्चिम और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का फ्री वीजा और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छुट्टियां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं।

आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया । यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं। मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस विजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के दवाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्पुष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियों सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है. रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को लेकर देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी है। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीढ़ी बना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जनपद स्तरीय युवा उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता एवं विज्ञान मेले का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- युवा कल्याण एवं प्रादेशिक दल कल्याण विभाग अमरोहा के तत्वाधान में कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज अमरोहा में जनपद स्तरीय युवा उत्सव/ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता एवं विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं अध्यक्ष नगर पालिका अमरोहा शशि जैन द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और अध्यक्ष महोदया द्वारा प्रतिभागियों को प्रेरणादायी मार्गदर्शन देकर उत्साहवर्धन किया गया। अतिथियों द्वारा संयुक्त रुप से विज्ञान मेला के प्रॉजेक्टस का अवलोकन किया। विज्ञान मेला का स्मार्ट ग्लब्स, स्मार्ट ग्रीन एनर्जी, वर्टिकल फॉर्मिंग, फ्यूचर ऑफ स्मार्ट एनर्जी, कार्बन प्यूरिफायर, मिसाइल लांचिंग सिस्टम रैन सेंसर मॉडल, इको फ्रेंडली एनर्जी सोर्सेज, हाइब्रिड हेलमेट, स्मार्ट सिटी, सोलर सिस्टम, वायरलेस कार चार्जिंग, वेस्ट मैटीरियल एनर्जी, 6ञ्ज वॉयस कंट्रोल रोबोट, इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर, फाउंटेन, कार्बन प्यूरिफायर, हिट एनर्जी, ऑर्गेनिक फॉर्मिंग प्रदर्शित किए गए। इसके अतिरिक्त लोक गीत, लोक नृत्य, भाषण, कविता एवं कहानी लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिला युवा कल्याण अधिकारी ऋषि कुमार द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सी पी सिंह प्रधानाचार्य कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज, संतराम यादव प्रवक्ता, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार, गौरव कुमार प्रदीप कुमार , अंकुर प्रकाश उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में कीर्ति, राघवा खानम, आयुषी श्रोतरिया, अविनाश कुमार, कु. श्वेता उपस्थिति रहे। परिणाम भाषण प्रतियोगिता में माही चौधरी प्रथम आयुषी द्वितीय एवं हर्ष चौधरी में तृतीय लोक नृत्य में लिटिल स्कॉलर्स अकैडमी अमरोहा के प्रतिभागी प्रथम, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के प्रतिभागी द्वितीय एवं जीएम हसनपुर के प्रतिभागियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकगीत में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा ने प्रथम जीएम पब्लिक स्कूल अमरोहा द्वितीय लिटिल स्कॉलर्स एकेडमी अमरोहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साइंस प्रोजेक्ट्स में लविश कुमार एवं अरुण कुमार राणा सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज द्वारा बनाया गया स्मार्ट हेलमेट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अक्षत अग्रवाल ब्लू बर्ड्स धनोरा द्वारा बनाए गए एआई रोबोटिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिमांशु आर्य कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज ने इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने चकबंदी कार्मिकों को कार्य में सुधार के लिए कड़ी चेतावनी दी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबंदी कार्मिकों को कार्य में सुधार के लिए कड़ी चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने सहायक चकबंदी अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक दशा में जनवरी, 2026 तक 5 ग्रामो का धारा-52 का प्रस्ताव प्रेषित कर चकबंदी प्रक्रिया समाप्त करें। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि चकबंदी के अंतर्गत किसी भी कृषक को उड़ान चक न दिए जाएं और न ही तीन चक किसी को दिए जाए। जिलाधिकारी ने कहा चक निर्माण में संबंधित सभी पारदर्शिता के साथ कार्य करें यदि मुख्यालय पर भ्रष्टाचार की शिकायत आती है तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसलिए कार्य को भली भांति करें जिससे लोगों को परेशानी न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी शैलेश कुमार शाही, चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी एवं ग्रामों में कार्यरत स्टाफ उपस्थित रहा।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य गतिमान है। तत्क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, अमरोहा में बैठक का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी से आग्रह किया गया कि नो मैपिंग में जो फार्म प्राप्त हुए हैं, उनसे संबंधित मतदाताओं को ढूंढने में सहयोग किया जाये। उक्त के अतिरिक्त जिला निवचिन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि आयोग द्वारा प्राप्त निदेर्शों के क्रम में 12 दिसंबर को सभी बूथ लेबल अधिकारियों द्वारा उनके बूथ पर नियुक्त किये गए बूथ लेवल एजेण्ट के साथ बैठक की जायेगी। कृपया अपने स्तर से सभी बूथ लेवल एजेण्ट को इस संबंध में सूचित करने का कष्ट करें जिससे वो 12 दिसंबर को बूथों पर होने वाली बैठक में उपस्थित रहें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी एमएस यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा डा0 जफर महमूद अब्बासी, प्रतिनिधि आम आदमी पार्टी औसाफ खान सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान समस्याओं को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट पर भाकियू शंकर का धरना प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को अमरोहा कलेक्ट्रेट पर भाकियू शंकर का धरना प्रदर्शन विक्रम पवार की अध्यक्षता मास्टर सत्यवीर सिंह के संचालन में शुरू हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि चकबंदी प्रक्रिया में व्यापक भ्रष्टाचार व घोर लापरवाही हो रही है ढक्का गांव में चकबंदी समाप्त की जाए सभी गन्ना क्रय केंद्रों पर दो से तीन प्रतिशत गन्ना घटतौली की जा रही है। तत्काल बंद कराई जाए किसान केंटो पर कनेक्टिविटी ना होने के कारण असुविधा का कारण करना पड़ता है बैंक को सहित सभी किसान केदो पर कनेक्टिविटी ठीक की जाए। प्रदेश की गन्ना सहकारी समितियां को नाबार्ड में पंजीकृत कराया जाए जनपद अमरोहा 28 वर्ष होने के बाद भी जनपद में जिला सहकारी बैंक बोर्ड ,अमरोहा विकास प्राधिकरण, जिला कारागार, ट्रामा सेंटर, विद्युत शवदाह बनाया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को संशोधित करते हुए ऐच्छिक प्रदेश भर के सभी संविदा कर्मियों शिक्षामित्र अनुदेशकों आंगनबाड़ी सहायिका आशा व सफाई कर्मियों को न्यूनतम ड्ड30000 का वेतन देते हुए ग्रेजुएटी दिलाई धरना स्थल पर शैलेश कुमार शाही बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी अमरोहा पंकज उकरेती चकबंदी अधिकारी समस्त चकबंदी स्टाफ जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार सहायक अभियंता जल निगम सरोज आरिफ सहायक क्षेत्रीय मैनेजर रोडवेज कृष्ण चंद्र गौड़ जिला गन्ना अधिकारी उद्यान अधिकारी पहुंचकर किसने की समस्या सुनकर समाधान किया इस पर संगठन के सभी कार्यकताओं ने अधिकारियों का धन्यवाद दिया कार्यकारिणी की सिफारिश पर डॉक्टर अर्पित महेश्वरी को जिला अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ अमरोहा मनोनीत कर संगठन के संविधान की शपथ दिलाई,अंत में प्रदर्शन करते हुए डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा कर धरना समाप्त किया कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह, नेपाल सिंह हरि सिंह सैनी तेजपाल सिंह कैप्टन वीर सिंह चौहान सतबीर सिंह पप्पू सिंह कल भगत जी सुखबीर भगत जी सुनील मोजी रामपाल नरेश भगत जी, प्रधान नरेंद्र सिंह डॉ गौतम मान,ओमवीर सिंह बबीता रानी पूनम चौधरी मंजू चौधरी संगीता रानी अशोक चौधरी सत्यवाला चौधरी,ओंकारी, प्रियंका भटनागर नीतू रश्मि यादव नीरज कुमारी कुसुम लता अंकित अर्चना यादव हजारों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

गजरौला क्षेत्र में जमीन को लेकर दो भाई में संघर्ष,पति-पत्नी घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव में जमीनी विवाद के चलते दो भाइयों में विवाद हो गया, जिसमें एक भाई और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल पति पत्नी ने गजरौला कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव लाठीरा का है जहां पर गांव निवासी तेजपाल और उसके भाई ब्रह्मपाल के बीच जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हो गई, मारपीट के दौरान तेजपाल और उसकी पत्नी कमलेश बुरी तरह से घायल हो गए। मामले की जानकारी देते हुए घायल कमलेश ने बताया कि मैं अपने पति के साथ खेत पर फसल बोने के लिए गई हुई थी,इस दौरान मेरे पति के बड़े भाई ब्रह्मपाल भी वहां पहुंच गए जिन्होंने हमें अपने खेत में फसल बोने से रोका और गाली गलौज करने लगे जिसका विरोध हमने विरोध किया तो उन्होंने हमारे साथ मारपीट शुरू कर दी। किसी तरह हम अपने आप को बचाते हुए घर पहुंचे लेकिन घर आने के बाद भी ब्रह्मपाल और उसके बेटे शिवम और गौरव ने हमारे घर में घुसकर फिर से हमारे ऊपर हमला बोल दिया और हमें मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। किसी तरह ग्राम वासियों ने विवाद शांत कराया। इसके बाद घायल पति-पत्नी कमलेश और तेजपाल अपने परिवार को लेकर गजरौला कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की। इसके बाद पुलिस ने दोनों घायलों को गजरौला सीएचसी मेडिकल के लिए भेज दिया ।डॉक्टर ने कमलेश की हालत गंभीर होते देख उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार का कहना है कि मामला संज्ञान में है जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप जनपद में युवाओं को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से अवगत कराने तथा उन्हें नशामुक्त जीवनशैली अपनाने हेतु तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का व्यापक संचालन किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य तंबाकू सेवन की रोकथाम, युवाओं में जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जनपद में निरंतर जागरूकता अभियान चलाकर जनपदवासियों को तम्बाकू से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया जाए। उन्होंने डीआईओएस एवं बीएसए को निर्देशित किया कि विद्यालय के 100 मीटर की परिधि में पान, बीड़ी, गुटखा, तम्बाकू की दुकानें नहीं होनी चाहिए।

इसके लिए येलो लाइन अभियान कैंपेन चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षण संस्थानों के बाहर मुख्य द्वार के पास एक बोर्ड लगाया जाए जिस पर तम्बाकू/ धूम्रपान निषेध प्रदर्शित हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी को तम्बाकू मुक्त अभियान की शपथ दिलाते हुए...मैं, शपथ लेता हूं, कि जनपद अमरोहा को, तम्बाकू मुक्त बनाने के महा अभियान में सच्चे मन के साथ लगूंगा व व्यक्तिगत स्वास्थ्य एव जनस्वास्थ्य की दृष्टि से मैं स्वयं तम्बाकू का सेवन नहीं करूंगा तथा समाज को तम्बाकू सेवन न करने के लिए प्रेरित करूंगा तथा समय बद्ध कर अपने कार्यस्थल को तम्बाकू मुक्त करने के साथ मैं अपना योगदान दूंगा। उन्होंने जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में इस शपथ को दिलाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

गजरौला में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रेलवे स्टेशन पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस द्वारा मृतक की पहचान करने की कोशिश की गई लेकिन पहचान नहीं हो पाई। जिसके बाद जीआरपी पुलिस ने शव को मोर्चरी पर रखवाया है और शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। बता दें कि सोमवार को गजरौला नगर कोतवाली के रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर एक अज्ञात युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई बताया जा रहा है कि यह हादसा दिल्ली से बरेली जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से हुआ है। यात्रियों के मुताबिक मृतक युवक एक वैंडर था जो छोले भटूरे की ठेले पर काम करता था। सोमवार की दोपहर स्टेशन पर जब ट्रेन जब स्टेशन पर धीमी हुई तो वह भटूरे बचने के लिए उसमें चढ़ा था। करीब 2 मिनट रुकने के बाद जब ट्रेन में रफ्तार पकड़नी शुरू की तो वेंडर नीचे उतरने लगा इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। गिरने के बाद वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गया जिससे उसकी जान चली गई।

हादसे की बात प्लेटफार्म पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी एवं आरपीएफ पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई, रेलवे स्टेशन का स्टाफ भी घटनास्थल पर पहुंच गया। जीआरपी चौकी इंचार्ज राजीव कुमार ने बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

गन्ना विभाग अमरोहा द्वारा क्रयकेन्द्रों पर घटतौली रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण अभियान चलाया गया

अमरोहा (सब का सपना):- वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में अमरोहा जनपद की तीनों चीनी मिल धनौरा, चंदनपुर एवं सहकारी चीनी मिल गजरौला हसनपुर (कला खेड़ा) के साथ-साथ अन्य जनपदों की सात (7) चीनी मिलें सहित कुल 10 चीनी मिलों द्वारा किसानों के गन्ना खरीद का कार्य किया जा रहा है। जनपद में कुल 321 गन्ना क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिन पर लगभग 2.34 लाख क्विंटल गन्ने की खरीद हो रही है। जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा एवं अधीनस्थ जनपद के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों द्वारा घटतौली पर प्रभावी नियंत्रण हेतु क्रयकेन्द्रों के औचक निरीक्षण का विशेष अभियान चलाया गया अभियान के अर्न्तगत जिला गन्ना अधिकारी मनोज कुमार ने स्योहारा चीनी मिल के क्रयकेन्द्र बान प्रथम व बेलवाड़ा चीनी मिल क्रयकेन्द्र अहरोई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसीओ ने क्रयकेन्द्रों पर गन्ना लदी गाडी का वजन करवाया, जिसमें 05 क्विंटल तक के मानक बांट रखने पर वजन सही पाया गया। क्रय केंद्र पर गन्ना खरीद एवं उठान की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित मिली तथा जिला गन्ना अधिकारी, द्वारा अवगत कराया गया की भविष्य में घटतौली रोकने के लिए अभियान समय समय पर विभाग द्वारा चलाये जाएगे। अभियान के दृष्टिगत ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा द्वारा असमोली चीनी मिल के क्रयकेन्द्र इकोन्दा, जलालपुर दिवान, लिजाम नगला, कुआं खेडा व क्रयकेन्द्र जोजखेडा का औचक निरीक्षण किया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक धनौरा द्वारा चीनी मिल वेव शुगर धनौरा के क्रय केन्द्र कुमराला, तिगरी गंगा, महोरका पट्टी 'बी', खेडकी खादर, टोकरा पट्टी व क्रयकेन्द्र पतेई का औचक निरीक्षण किया, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गजरौला ने सहकारी चीनी मिल गजरौला हसनपुर के क्रयकेन्द्र रहमापुर खालसा, सदरपुर, हफिजपुर, दादूपुरा, कूबी, व क्रयकेन्द्र तेलीपुरा द्वितीय तथा त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर के क्रयकेन्द्र कबी 'बी' का औचक निरीक्षण किया गया। अभियान के चलते गन्ना विकास विभाग जनपद-अमरोहा के विभिन्न अधिकारियों द्वारा सोमवार को कुल 20 क्रयकेन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान सभी क्रयकेन्द्रों पर व्यवस्थाए सही पाई गयी। निरीक्षण अभियान के कारण सभी चीनी मिलों में काफी सतर्कता रही और मिल प्रबंधन में हलचल का माहौल बना रहा।

पशुओं की दवाओं के लिये भी खोले जायेंगे जन औषधि केंद्र

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने जानकारी देते हुए बताया कि पशुओं की दवाओं के लिये भी जन औषधि केंद्र खोले जायेंगे। मनुष्यों की तरह, पशुओं के उपचार हेतु भी सस्ती व गुणवत्तायुक्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पशुपालन विभाग, उत्तर-प्रदेश द्वारा एक सराहनीय कदम उठाते हुए प्रत्येक विकास खंड स्तर पर एक ऐसे केन्द्र को स्थापित करने की योजना आरम्भ की गई है। योजना का उद्देश्य पशुपालकों को सस्ती दरों पर औषधियों उपलब्ध कराना है। पशुजन औषधि केन्द्र खोलने हेतु प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र / कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जायेगा जिसका लिंक https://pashuaushadhi. dahd.gov.in है तथा आवेदन हेतु निर्धारित शुल्क रु 5000/- है। आवेदन हेतु पात्रता की शर्तों में फार्मासिस्ट का पंजीकरण प्रमाणपत्र, ड्रग लाइसेंस तथा न्यूनतम 120 वर्ग फीट स्थान उपलब्ध होना अनिवार्य है। आवेदन प्राप्त होने के उपरांत पशुपालन विभाग द्वारा स्थान की उपयुक्तता का निरीक्षण व पात्रता का सत्यापन किया जायेगा तथा शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चयन किया जायेगा। इस योजना से जहाँ एक और पशुपालकों के सस्ती दर पर दवाइयों उपलब्ध हो सकेंगी वहीं रोजगार सृजन का भी यह योजना एक माध्यम बनेगी।

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहा बच्चों का अस्पताल पुलिस-स्वास्थ्य विभाग ने की संयुक्त कार्रवाई

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर कलेक्ट्रेट के पास स्थित न्यू किलकारी हॉस्पिटल सोमवार दोपहर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने बंद कर दिया। अस्पताल पर बिना वैध रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस के अवैध रूप से संचालन करने तथा मरीजों के साथ लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार, गुन्नौर क्षेत्र के गांव पवारी निवासी एक परिवार ने अपने ढाई साल के बच्चे को रविवार रात करीब 11 बजे अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि रात भर कोई डॉक्टर बच्चे को देखने तक नहीं आया। सुबह जब बच्चे की हालत और बिगड़ी तो परिजनों ने नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को

फोन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही बहजोई कोतवाली प्रभारी संत कुमार सिंह और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. विश्वास अग्रवाल अपनी-अपनी टीमों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। जांच में खुलासा हुआ कि अस्पताल ने स्वास्थ्य विभाग में रजिस्ट्रेशन के लिए केवल आवेदन किया था, लेकिन अभी तक कोई वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन जारी नहीं हुआ है। इसके बावजूद अस्पताल पूरी तरह से चल रहा था और नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एनआईसीयू) भी संचालित किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान एनआईसीयू में चार नवजात बच्चे भर्ती मिले। प्रशासन ने सभी बच्चों के परिजनों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षित दूसरे नजदीकी अस्पतालों में शिफ्ट कराया और सुपुर्दगी दिलवाई। एसीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल ने बताया, अस्पताल पूरी तरह अवैध रूप से चल रहा था। कोई वैध रजिस्ट्रेशन नहीं था, इसलिए इसे तत्काल प्रभाव से बंद कराया जा रहा है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना एक बार फिर निजी अस्पतालों में रजिस्ट्रेशन और मानकों की अनदेखी की गंभीर समस्या को उजागर करती है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अस्पताल में इलाज कराने से पहले उसका वैध रजिस्ट्रेशन जरूर जांच लें।

जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के तहत जिले में चलाया जा रहा है अभियान

संभल(सब का सपना):- बाल अपराधों की रोकथाम और बाल विवाह एंव बाल मजदूरी व बाल तस्करी को रोकने के लिए लगातार जनपद सम्भल में जागकरूता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन, प्रयत्न संस्था एवं जिला प्रशासन के सहयोग से जनपद मे लगातार अलग-अलग स्थानो पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर बाल अपराध मुक्त भारत एवं बाल अपराध मुक्त जनपद सम्भल बनाने के लिए स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी कड़ी मे जिला प्रोवेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देशन में सोमवार को नूरियों सराय में सेन्ट होली चाईल्ड पब्लिक स्कूल स्कूली बच्चों को शपथ दिलाकर बाल विवाह को रोकने का आहवान किया गया। साथ ही अन्य लोगों को

भी इस बाल अपराध के खिलाफ जागरूक किया गया। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल विवाह की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर देनी है। जिससे की 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस अवसर पर फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद विद्यालय के इंचार्ज गुफरान, इकराम अली, बुशरा अरशद, अलका , इशा, जोहा, बुशरा समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मिशन शक्ति 5.0 : महिलाओं-बालिकाओं को सशक्त बनाने का अभियान तेज

सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए चल रहे मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल में पुलिस ने जोरदार मुहिम चलाई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में थानों की महिला पुलिसकर्मियों व एण्टी रोमियो टीमों ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में चौपाल आयोजित की। बाजार, चौराहे, स्कूल-कॉलेज व धार्मिक स्थलों पर महिलाओं-बालिकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत सहित दर्जनों योजनाओं के पम्पलेट बांटे गए। साथ ही वीमेन पावर लाइन 1090, इमरजेन्सी 112, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से भी अवगत कराया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं से सीधा संवाद कर उन्हें आत्मरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूक किया। पुलिस का दावा है कि मिशन शक्ति 5.0 से महिलाओं को सुरक्षित व सशक्त वातावरण मिल रहा है।

3.0 का तृतीय चरण शुरू, चंदौसी में छात्रों को दिया पुलिसिंग का प्रशिक्षण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद संभल में स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरियेंशियल लर्निंग (एसपीईएल 3.0) के तीसरे चरण की शुरूआत हुई। थाना चंदौसी में आयोजित गोष्ठी में नौ कॉलेजों के 113 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (नोडल अधिकारी एसपीईएल 3.0) व क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह ने छात्रों को अनुशासन, नेतृत्व, ट्रैफिक जागरूकता, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा तथा सामुदायिक पुलिसिंग की जानकारी दी। छात्रों को पुलिस स्टेशन विजिट, ड्रिल, परेड और सामाजिक जागरूकता अभियान में शामिल होने का प्रशिक्षण मिलेगा। आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, 1076, 181, 1090 आदि की भी जानकारी दी गई। डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने कहा, एसपीईएल 3.0 से युवाओं में जिम्मेदारी और कानून के प्रति सम्मान बढ़ेगा तथा पुलिस-जनता के बीच विश्वास मजबूत होगा। कार्यक्रम में सभी छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और सुरक्षित समाज बनाने का संकल्प लिया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जिलाधिकारी ने की उच्चस्तरीय बैठक

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- तहसील के निकट बदायूं रोड़ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में जिला सेवायोजन कार्यालय पर विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) कार्यों गणना प्रपत्रों के संग्रह, डिजिटलाइजेशन आदि के संबंध में बूथ संख्या 133 से 138 तक के बूथों के संबंध में बीएलए, बीएलओ एवं नगर पार्षद के साथ बैठक की गयी। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा डाटा मैपिंग को लेकर जानकारी प्राप्त

करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उप जिलाधिकारी चंदौसी को निर्देशित करते हुए कहा कि बीएलए के साथ एक टीम बनाते हुए मतदाता सूची को शत प्रतिशत देख लें । आपत्ति, प्रोजनी, शिफ्टिड मतदाता आदि को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा एएसडी सूची को बूथों पर चस्पा करने को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जहाँ एएसडी सूची चस्पा न हो वहाँ सूची को चस्पा किया जाए।

संबंधित बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही डिजिटलाइजेशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी एवं तहसीलदार एवं संबंधित बीएलओ आदि उपस्थिति रहे।

कफसिरप माफिया शुभम जायसवाल के 2 करीबी गिरफ्तार : वाराणसी में फर्जी दस्तावेज से बनाए फर्म

वाराणसी। कफ सिरप मामले में कमिश्नरेट की एसआईटी ने शुभम जायसवाल के दो बड़े करीबियों को गिरफ्तार किया है। दवा लाइसेंस बनवाकर दोनों ने लाखों रुपए के फर्जी बिल तैयार कर सीरप को बांग्लादेश तक सप्लाई किया। आरोपी विशाल जायसवाल और बादल आर्य ने एसआईटी की पूछताछ में सभी राज से खोले। दोनों आरोपियों ने अपनी फर्में बनाकर बड़ी कमाई की। हर खेप पर उन्हें 25-30 हजार रुपए मिलते थे। यहां तक की हर बोतल पर एक रुपए कमीशन मिलता था। फर्म का पैसा आने पर उसे शैली ट्रेडर्स के खाते में ट्रांसफर कर देते थे। वही एसआईटी के अफसर शुभम के एक चार्टर्ड एकाउंटेंट से भी पूछताछ कर रहे हैं। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसीपी देवेश बसबाल ने बताया- जानकारी में आया है कि शुभम जायसवाल भारत से बाहर

चला गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लुक आउट सर्कुलर जारी किया जा रहा है। साथ रेडकार्नर नोटिस जारी किया जाएगा। जिसमें इंटरपोल के थ्रू इनकी गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। तस्करों ने यह भी कबूला कि सभी बैंक अकाउंट की पूरी जानकारी सीए देवेश जायसवाल के पास रहती थी। मनी ट्रांसफर करने के समय ओटीपी मांगता था हम लोगों के द्वारा एक वर्ष के अन्दर करीब 7 करोड़ रुपए का व्यापार किया गया है। हम लोगों की फर्म सिर्फ दिखाने के लिये थी जबकि शैली ट्रेडर्स से जो भी माल हमारे फर्म के नाम पर आता था वह हमारी फर्म में न आकर दूसरी जगह भेज दिया जाता था जिसके ई वे बिल व टैक्स इनवाइस हम लोग अपनी फर्म के माध्यम से तैयार करते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपी बादल आर्य ने कहा- देवेश जायसवाल ने मेरा फर्म खुलवाया था। मुझे तो केवल 20 से 25 हजार रुपए मिल जाते थे। एक बार भौतिक सत्यापन के लिए टीम आई थी। हालांकि सब कुछ देवेश ही हैंडल करता था। विशाल जायसवाल हुकूमगंज में रहता हूं। मामा दिलीप जायसवाल हैं। उनका बेटे देवेश जायसवाल है। उसी ने मेरा हरिओम फार्मा के नाम से फर्म खुलवाया था। वही माल मंगाता लेकिन मेरे दुकान पर कभी सीरप नहीं आया। मुझे 20 से 30 हजार रुपए कैश मिलते थे। देवेश के साथ अमित जायसवाल थे। मुझे 6 महीने पहले एनसीपी का नोटिस आया तो हमने GST में जाकर बंद करा दिया। सवा साल पहले से काम चल रहा था। डीसीपी गौरव बसबाल ने बताया- पिछले महीने कोतवाली थाने में एफआईआर लिखवाई गई थी। ड्रग विभाग ने पिछले महीने 28 फर्मों के नाम दिए गए थे। उसमें कहा गया कि ये फर्में ये बता नहीं पा रहे हैं कि कोडिनयुक्त सिरप की सप्लाई इन्होंने कहां कीं। उसी के बाद पुलिस ने अकाउंट्स खंगाले तो पता चला कि कई फर्में फर्जी तरीके से रजिस्टर्ड कराए गए थे। इन फर्मों ने कोई व्यापार नहीं किया गया।

परीक्षा केन्द्रों के संबंध में समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अन्तर्गत यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा 2026 के परीक्षा केन्द्रों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार द्वारा 2026 के लिए परिषद् द्वारा आवंटित परीक्षा केन्द्रों की संख्या तहसील बार बतायी गयी जिसमें उन्होंने बताया कि तहसील सम्भल के अन्तर्गत कुल (36) जिनमें 07 राजकीय , 13 अशासकीय सहायता प्राप्त, 16 वित्तविहीन तथा तहसील चंदौसी के

अन्तर्गत कुल (19) जिनमें 02 राजकीय 12 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 05 वित्तविहीन एवं तहसील गुन्नौर के अन्तर्गत कुल (14) जिनमें 03 राजकीय, 07 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 04 वित्तविहीन। उन्होंने बताया कि परिषदीय परीक्षा 2026 में हाईस्कूल में 27786 परीक्षार्थी एवं इण्टरमीडिएट में 23646 परीक्षार्थी एवं कुल 51432 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। जिलाधिकारी द्वारा आपत्ति के निस्तारण के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक से जो परीक्षा केंद्र परिषद द्वारा आवंटित किए गए हैं उनमें भौतिक सुविधाओं की स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा पूर्व में जो केंद्र बनाए गए थे उनमें भौतिक सुविधाओं की क्या स्थिति थी इसके विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज ,उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी,खंड शिक्षा अधिकारी गन्नौर एम एल पटेल एवं राजकीय इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने कस्तूरबा बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण, कई खामियां उजागर

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (आवासीय) अमरोहा ग्रामीण का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में स्टाफ की अनुपस्थिति, छात्राओं की कम उपस्थिति, सफाई की खराब स्थिति और शैक्षिक स्तर में गंभीर कमियां पाई गईं।निरीक्षण के समय प्रभारी वार्डन- सह-शिक्षिका कुमारी अनवीक्षा एवं फुल टाइम शिक्षिका गायत्री आकस्मिक अवकाश पर थीं। पार्ट टाइम शिक्षिका फरखंदा निकहत शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण पर थीं, जबकि सहायक रसोइया शेर सिंह जुलाई 2025 से लगातार

अनुपस्थित है। सीडीओ ने उनकी सेवा समाप्त कर नया चयन करने के निर्देश दिए।विद्यालय में नामांकित 100 बालिकाओं में से 39 अनुपस्थित पाई गईं, जिनमें अधिकांश बीमारी के कारण घर गई बताई गईं। भोजन व्यवस्था संतोषजनक रही। नाश्ते में दूध-पोहा तथा दोपहर के भोजन में अरहर दाल, चावल, रोटी व आलू-बैंगन की सब्जी दी गई। स्वेटर, जूते-चप्पल, कपड़े, अंडर गारमेंट्स व तौलिया आदि का वितरण हो चुका है, लेकिन शिक्षण सामग्री अपर्याप्त है।परिसर व शौचालयों में सफाई बेहद खराब मिली। कक्षा 6 से 8 की छात्राओं से पाठ्यक्रम संबंधी प्रश्न पूछे गए, जिनके जवाब संतोषजनक नहीं थे। अधिकांश छात्राओं का शैक्षिक स्तर निम्न पाया गया। सीडीओ ने सभी शिक्षकों का स्पष्टीकरण लेने, साप्ताहिक टेस्ट कराने तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मासिक टेस्ट (आरपी की उपस्थिति में) कराने के सख्त निर्देश दिए।

सीडीओ ने कस्तूरबा बालिका विद्यालय अमरोहा नगर का औचक निरीक्षण किया, कई खामियां मिलीं

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने सोमवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (अमरोहा नगर) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वार्डेन-सह-शिक्षका मोहनवती कश्यप व फुल टाइम शिक्षिका अंजलि आकस्मिक अवकाश पर मिलीं, शेष स्टाफ उपस्थित था।भोजन व्यवस्था की जाँच में सुबह के नाश्ते में केला, दूध व पोहा तथा दोपहर के भोजन में अरहर दाल, चावल, रोटी, आलू-बैंगन की सब्जी व रायता परोसा गया। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। बालिकाओं को स्वेटर, जूता-चप्पल, कपड़े, अंडर गारमेंट्स, तौलिया व पाठ्यपुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं, लेकिन शिक्षण सामग्री अपर्याप्त है।विद्यालय में बिस्तर, आरओ, इन्वर्टर, जनरेटर उपलब्ध हैं पर साफ-सफाई

संतोषजनक नहीं थी। खिड़कियों के शीशे-जालियों की मरम्मत जरूरी है। चल रहे निर्माण कार्य (कंप्यूटर लैब, अतिरिक्त डॉरमेट्री व शौचालय ब्लॉक) की गुणवत्ता जाँच के लिए जनपदीय तकनीकी टीम को निर्देश दिए गए।शैक्षिक स्तर की जाँच में गणित के प्रश्नों के जवाब बालिकाओं नहीं दे सकीं। अधिकांश का शैक्षिक स्तर न्यूनतम पाया गया। सीडीओ ने साप्ताहिक टेस्ट व मासिक टेस्ट (बीएसए द्वारा एआरपी की उपस्थिति में) कराने के सख्त निर्देश दिए। 100 नामांकित बालिकाओं में से 25 अनुपस्थित मिलीं। अनुपस्थित स्टाफ का स्पष्टीकरण लेकर कार्रवाई के भी आदेश दिए गए।

सुसाइड बॉम्बिंग को लेकर एनआईए का कोर्ट में बड़ा बयान, आतंकियों की रिमांड अवधि चार दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने लाल किला कार बम धमाका मामले में एनआइए रिमांड पर चल रहे आरोपित डॉ. मुज्जमिल गनी, अदील राथर, शाहीन सईद, मौलवी इरफान अहमद वागे की एनआईए रिमांड की अवधि को चार और दिन के लिए बढ़ा दी है। 29 नवंबर को चारों को मिली 10 दिन की एनआईए रिमांड की अवधि सोमवार खत्म होने के बाद चारों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। एनआईए ने अब तक इस मामले में सात गिरफ्तारियां की हैं, जो जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए एक व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़ा है। एजेंसी ने पहले एक बयान में कहा, एजेंसी सुसाइड बॉम्बिंग के संबंध में अलग-अलग सुरागों का पीछा कर रही है, और इस भयानक हमले में शामिल दूसरे लोगों की पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए संबंधित पुलिस फोर्स के साथ तालमेल बैठाकर राज्यों में तलाशी कर रही है।

चार दिन से ठप है पीडब्ल्यूडी की वेबसाइट, लोग परेशान; दर्ज नहीं करा पा रहे शिकायतें

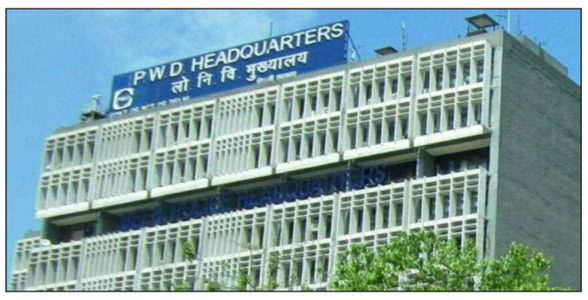

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लिए विकास कार्य करने वाली सबसे प्रमुख एजेंसी लोक निर्माण विभाग की पिछले चार दिन से वेबसाइट ठप है। मगर विभाग के अधिकारी बेखबर हैं। जनता परेशान हो रही है, लोग सड़कों और स्ट्रीट लाइटों से संबंधित शिकायतें वेबसाइट पर नहीं कर पा रहे हैं, जिन लोगों ने शिकायतें की हैं वे अपना स्टेटस नहीं जान पा रहे हैं। वहीं परियोजनाओं की प्रतिदिन की निगरानी के लिए बनाया गया विभाग का प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम ठप है। विभाग के तमाम आर्डर वेबसाइट पर लोड होते हैं, वह कार्य भी ठप है। वेबसाइट क्यों ठप हुई और कब तक ठीक होगी इस पर अधिकारी जवाब देने को तैयार नहीं हैं, अधिकारी इसे लेकर गंभीर भी नहीं दिख रहे हैं। दिल्ली लोक निर्माण विभाग में 3000 से अधिक स्टाफ काम कर रहा है। इसमें से 600 से अधिक अभियंता कार्यरत हैं। इस विभाग के पास में 1440 किलोमीटर लंबाई वाली सड़के हैं। विभिन्न सरकारी विभागों की इमारतों का निर्माण और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी विभाग के पास है। कुल मिलाकर दिल्ली सरकार के विकास कार्य इसी विभाग के पास आते हैं। यह पहली बार है कि जब इस विभाग की वेबसाइट को लेकर समस्या खड़ी हुई है।

महिला के वेश में चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार, सीसीटीवी फुटेज से आरोपी तक पहुंची दिल्ली पुलिस

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका जिला पुलिस की एंटी-बर्गलरी सेल ने एक चौंकाने वाले मामले में, चोरी करते समय महिला का वेश धारण करने वाले एक सक्रिय और शातिर चोर सौरभ को गिरफ्तार किया है। यह चोर पुलिस जांच को गुमराह करने के लिए खुद को महिला के रूप में प्रस्तुत करता था। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सौरभ की गिरफ्तारी से चोरी और सेंधमारी के 10 मामलों को सुलझा लिया गया है। यह मामला मोहन गार्डन में 16 नवंबर को हुई सेंधमारी से शुरू हुआ था। इंस्पेक्टर विवेक मैंदोला के नेतृत्व में स्पेशल टीम ने जांच शुरू की। घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज को 14 दिनों तक खंगाला गया। फुटेज में एक नकाबपोश पुरुष के साथ नकाबपोश महिला को भी चोरी करते देखा गया। टीम ने पाया कि महिला के रूप में दिख रहा व्यक्ति वास्तव में पुरुष चोर सौरभ ही था, जिसने पुलिस को भ्रमित करने के लिए यह वेश धारण किया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने उत्तम नगर में जाल बिछाकर सौरभ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 2015 में माता-पिता को खोने के बाद वह स्मैक का आदी हो गया और नशे की लत पूरी करने के लिए उसने चोरी और सेंधमारी शुरू कर दी। वह पहले भी तीन मामलों में गिरफ्तार हो चुका था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक महंगा हैंडिकैम, एक जोड़ी चांदी की पायल और पांच चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन बरामदगी के साथ ही, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, डाबरी और नजफगढ़ क्षेत्रों में हुई चोरी की कुल 10 बड़ी वारदातों को सुलझाया गया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गाजियाबाद में घर में घुसकर दबंगई, युवक पर लाठी-डंडों से हमला; केस दर्ज

लोनी। थाना लोनी की कंचन पार्क कॉलोनी में घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने दो नामजद व कुछ अन्य के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कंचन पार्क कालोनी निवासी शहजाद ने बताया कि रविवार शाम करीब चार बजे मेरा बेटा गली में बैठा हुआ था। इसी दौरान मौहल्ले के रहने वाले सोनू व शादिक बेटे के पास पहुंचे। किसी बात को लेकर बेटे से उनकी मामूली कहासुनी हो गई। जिससे गुस्साए सोनू व शादिक बेटे को गाली गलौज करने लगे। विरोध किया तो दोनों एक जुट होकर बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर शराबा सुन मौके पर पहुंचे स्वजन व पड़ोसियों ने मामले को शांत करा अपने अपने घरों को भेज दिया। आरोप है कि दोनों आरोपित कुछ देर बाद लाठी डंडों से लैस होकर अपने अन्य साथियों संग आये और घर में घुसकर ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिसमें स्वजन चोटिल हो गये। शोर शराबा सुन लोगों को आता देख आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गये। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शिकायत पर पुलिस ने सोनू, शादिक व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लगेज के लिए मची है अफरातफरी, यात्री बोले- कस्टमर केयर से संपर्क तक नहीं हो रहा

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर इंडिगो के यात्रियों को सामान के लिए भारी परेशानी हो रही है। यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और कस्टमर केयर से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

नई दिल्ली। यात्रियों के लिए इंडिगो की उड़ानों के रद होने से जुड़ी परेशानी भले ही धीरे-धीरे कम हो रही है, लेकिन लगेज की बात करें तो यहां अभी भी मारामारी की स्थिति है। कई ऐसे भी लोग हैं, जो एक, दो या तीन नहीं बल्कि पूरे पांच दिन बीत जाने के बाद भी लगेज के इंतजार में हैं। इनमें से कई जहां अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद इंतजार कर रहे हैं तो कई ऐसे हैं जो अपने स्वजन को रोजाना एयरपोर्ट भेजकर बस किसी तरह लगेज पाने की जुगत में हैं। लगेज घर पहुंचाने का किया वादा गुजरात के सूरत में रहने वाले किरण व विभा गांधी तीन दिसंबर को वाराणसी से खजुराहो होते हुए आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे थे। यहां से उसी दिन इनकी उड़ान सूरत के लिए थी। मगर तीन तारीख को उड़ान

रद हुई। बाद में इसे रिशेडयूल करके पांच दिसंबर किया गया लेकिन पांच तारीख को एयरपोर्ट पहुंचने में पता चला कि टर्मिनल के भीतर इंडिगो के यात्रियों को प्रवेश करने ही नहीं दिया जा रहा है। कस्टम केयर से कई बार की कोशिश के बाद इन्हें आश्वस्त किया गया कि आपका लगेज आपके घर पर पहुंचा दिया जाएगा। कुछ लगेज हो गए गायब उड़ान कब मिलेगी, इसका कोई उत्तर नहीं मिला। बाद में किरण ने किसी तरह सामान्य किराए से तीन गुना अधिक किराया देकर बस की टिकट अहमदाबाद के लिए ली। बदकिस्मती देखिए, यहां भी लेटलतीफी ने इनका पीछा नहीं छोड़ा। तय समय से करीब तीन घंटे बाद बस आई। खैर किसी तरह अहमदाबाद पहुंचे, लेकिन दिल्ली में रहते हुए इन्होंने अहमदाबाद से सूरत के लिए जो टैक्सी बुक की थी, वह तय समय के बीतते ही निकल गई। यहां भी इन्हें जबरदस्त घाटा हुआ। बाद में किसी तरह अहमदाबाद से सूरत रविवार को सुबह साढ़े नौ बजे पहुंचे। उम्मीद थी कि लगेज पहुंच गया होगा लेकिन यह क्या लगेज नहीं इन्हें लगेज की कुछ तस्वीर वॉट्सएप पर मिलीं। पूछा गया कि यह लगेज आपका ही है न। किरण बताते हैं कि जो लगेज की तस्वीर भेजी गई है, वह इन्हीं की है लेकिन कुछ लगेज गायब हैं। इसके बाद बार-बार की कोशिश के बाद भी इंडिगो के कस्टमर केयर से इनका संपर्क नहीं हो पा रहा है। कहा-इंडिगो ने किया यात्रियों से धोखा किरण बताते हैं कि इंडिगो प्रकरण ने पूरे विमानन प्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। इंडिगो को दिसंबर की शुरूआत से ही पता चल गया होगा कि यह समस्या आने वाली है, लेकिन उसने इस समस्या से नियामक एजेंसियों व ग्राहकों को अवगत कराने की जरुरत नहीं समझी। यह इंडिगो की नैतिकता व उसकी पेशेवर सोच पर सवाल खड़े करता है। पहले आपने ग्राहकों से मुंह मोड़ा और अब उनका लगेज वापस नहीं दे रहे हो, यह सरासर धोखा है। आइजीआई टर्मिनल एक पर एयरलाइन के टिकट काउंटर के पास फ्लाइट के इंतजार में कुछ बैठे कुछ वहीं आराम करते यात्री। चंद्र प्रकाश मिश्र किरण की पत्नी विभा बताती हैं कि लगेज में उनकी जरूरी दवाइयां हैं। वाराणसी मंदिर का प्रसाद है, जो उन्होंने अपने स्वजन व पड़ोसियों के लिए खरीदा था, अब उसका क्या होगा। यह आस्था के साथ भी खिलवाड़ है। यात्रियों को जो परेशानी हुई और जो हो रही है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है, जिम्मेदार को क्या सजा मिली, यह जानने का हम सभी को हक है। हम लोग अब शायद ही इंडिगो की उड़ानों पर भरोसा कर सकें। बता दें कि किरण व विभा गुजरात के सूरत से तीर्थाटन के लिए निकले यात्रियों के जत्थे में शामिल लोग हैं। जत्थे में इनके साथ सूरत के करीब 15 लोग और थे।

दिल्ली में सेंधमारी गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस के हत्थे चढ़े तीन शातिर आरोपी

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली पुलिस की एंटी-बर्गलरी सेल ने राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय तीन कुख्यात अंतरराज्यीय सेंधमारों (बर्गलरों) को गिरफ्तार किया है, जो बंद घरों में चोरी करने के लिए विशेष रूप से चुराई हुई मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल करते थे। उनकी गिरफ्तारी से चोरी और मोटर वाहन चोरी के कुल 19 मामलों को सुलझाया गया है। पश्चिमी जिला पुलिस डीसीपी दरादे शरद भास्कर ने बताया कि अपराधों की गंभीरता को देखते हुए, अपराधियों का पता लगाने के लिए इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्या के नेतृत्व में एक समर्पित टीम का गठन किया गया था। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और

विभिन्न इलाकों में चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बदलकर अपराध करता था। राजौरी गार्डन से हुई गिरफ्तारी पांच दिसंबर को एक पुख्ता सूचना के आधार पर, पुलिस टीम ने राजौरी गार्डन में जाल बिछाकर तीन जो जांच में चोरी की पाई गईं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वडोदरा, गुजरात निवासी सतनाम सिंह उर्फ रॉकी, बड़वानी, मध्य प्रदेश निवासी अजय सिंह और वडोदरा, गुजरात निवासी भरत सिंह उर्फ भगत सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि ये आरोपित दिल्ली और अन्य राज्यों में सक्रिय रहे हैं। वे तिलक नगर, लक्ष्मी नगर और पालम जैसे इलाकों से मोटरसाइकिल चुराते थे और सेंधमारी के लिए उनका इस्तेमाल करते थे, ताकि पुलिस को चकमा दे सकें। ये तीनों नशीले पदार्थों के आदी हैं और पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप, पश्चिमी जिले में 11 मामलों सहित कुल 15 सेंधमारी व चोरी के मामले और 4 मोटर वाहन चोरी के मामलों को सुलझा लिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली में 122 ग्राम गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार, साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

बाहरी दिल्ली। दिल्ली में बाहरी जिला पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। इसी क्रम में राज पार्क थाना पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने इलाके में 122 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को पकड़ा है। पकड़ा गया आरोपी सनी मंगोलपुरी का निवासी है। इससे पहले भी एक लूट के मामले में शामिल रह चुका है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि चार दिसंबर को राज पार्क थाना पुलिस की टीम गश्त के दौरान जब मंगोलपुरी के ए-ब्लाक के पास पहुंची तो कुछ लोगों को इकट्ठा देखा। उनमें से एक व्यक्ति के हाथ में सफेद पालिथीन बैग था। पुलिस को देखते ही समूह में मौजूद लोग वहां से भागने लगे। संदिग्ध हरकत देख पुलिस ने तुरंत पीछा किया और पॉलिथीन लिए हुए व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया। पॉलिथीन की जांच में उसके भीतर गांजा पाया गया। शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी स्थानीय स्तर पर गांजा की सप्लाई करता था। पुलिस अब उसके अन्य संभावित साथियों और सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली में फिर जहरीली हवा, आज भी एक्यूआई 300 के पार; इन इलाकों ही आबोहवा है

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर रूप से बहुत खराब बनी हुई है। शहर के विभिन्न हिस्सों में सुबह के समय जहरीले स्मॉग की एक मोटी परत छा गई, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया है। दिल्ली के इन इलाकों ही आबोहवा है खराब अक्षरधाम, आनंद विहार और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्यूआई 354 दर्ज किया गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है। इन क्षेत्रों में स्मॉग की सघनता अधिक होने के कारण सांस लेना दूभर हो रहा है। वहीं, इंडिया गेट और कर्तव्य पथ जैसे इलाकों में एक्यूआई 294 दर्ज किया गया। हवा

की दिशा बदलने से मिली मामूली राहत बीते रविवार को दिल्ली में हवा की दिशा में आए बदलाव के कारण प्रदूषण की रफ्तार में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन यह राहत अस्थायी साबित हो रही है। रविवार सुबह दिल्ली की शुरूआत धुंध और हल्के कोहरे के साथ हुई, जबकि आसमान में स्मॉग की एक पतली चादर छाई रही, जिससे दृश्यता भी काफी कम रही। इस दौरान लोगों को मास्क का सहारा लेना पड़ा और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक्यूआई की स्थिति और एनसीआर का हाल वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 308 दर्ज किया गया, जो "बेहद खराब" श्रेणी में आता है। शनिवार की तुलना में इसमें 22 अंकों की गिरावट देखी गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में नोएडा सबसे अधिक प्रदूषित शहर रहा, जहां एक्यूआई 317 दर्ज किया गया। गाजियाबाद में यह 315, ग्रेटर नोएडा में 290 और गुरुग्राम में 273 रहा। वहीं, फरीदाबाद की हवा तुलनात्मक रूप से साफ रही, जहां सूचकांक 199 दर्ज किया गया, जो "संतोषजनक" श्रेणी में आता है।

इन चीजों से फैल रहा प्रदूषण दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, विभिन्न स्रोतों से होने वाले प्रदूषण में वाहनों का योगदान 16.59% रहा। इसके अलावा, सड़क की धूल से 1.20%, निर्माण गतिविधियों से 2.31%, आवासीय प्रदूषण से 4.05% और पेरिफेरल उद्योगों से 8.108% की भागीदारी दर्ज की गई।

चार करोड़ रुपये कीमत का मादक पदार्थ जब्त, बैंकॉक से आया यात्री गिरफ्तार

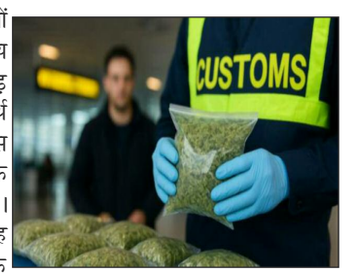

नई दिल्ली। कस्टम अधिकारियों ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से चार करीब करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया है। साथ ही इस मामले में बैंकॉक से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार यह जब्ती छह दिसंबर को हुई, जब नियमित जांच के दौरान कस्टम कर्मियों ने यात्री को रोका। यात्री के ट्रॉली बैग की जांच में नौ पॉलिथीन पाउच मिले, जिनमें हरी नमीयुक्त सामग्री थी, जिसे संदिग्ध गांजा या मारिजुआना बताया गया है। दिल्ली कस्टम द्वारा जारी बयान के अनुसार, जब्त मादक पदार्थ का वजन 4.08 किलोग्राम है। बयान में कहा गया कि जब्त किए गए ड्रग की कीमत 4.08 करोड़ रुपये है। जब्ती के बाद आरोपी को सात दिसंबर को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

इंडिगो फ्लाइट संकट का मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा, 10 दिसंबर को होगी सुनवाई; रिफंड दिलाने की है मांग

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट संकट से प्रभावित यात्रियों को ग्राउंड सपोर्ट और रिफंड दिलाने की मांग दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गई है। एक अधिवक्ता ने जनहित याचिका दायर कर हाई कोर्ट को मामले में निर्देश पारित करने की मांग की है। अधिवक्ता ने सोमवार को इस मामले का उल्लेख मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष किया। अधिवक्ता ने कहा कि एयरपोर्ट पर हालात अमानवीय हैं और यात्रियों को कोई रिफंड नहीं मिला है। अदालत ने इस पर कहा कि मामले को बुधवार यानी 10 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाए। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि सरकार इस मुद्दे पर पहले ही कुछ निर्देश जारी कर चुकी है। इसी तरह की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई। हालांकि, शीर्ष अदालत ने तत्काल सुनवाई से इन्कार करते हुए कहा कि भारत सरकार पहले ही इस मुद्दे का संज्ञान ले चुकी है।

गोवा नाइट क्लब 'रोमियो लेन' का मैनेजर गिरफ्तार, 25 मौतों के मामले में दिल्ली से दबोचा गया

नई दिल्ली। गोवा के अरपोरा में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के मैनेजर भारत को गोवा पुलिस ने उत्तरी जिला के सब्जी मंडी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइंस इलाके में भी इसका रोमियो लेन नाम से रेस्तरां है। 'रोमियो लेन' नाइट क्लब में शनिवार देर रात को हुई दर्दनाक घटना में अभी तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। पुलिस के अनुसार, नाइट क्लब का मालिक सौरभ लूथरा अभी नहीं पकड़ा गया है। वह घटना के बाद से फरार है। घटना के बाद भारत गोवा से भागकर दिल्ली अपने घर पर आ गया था। गोवा पुलिस की सूचना पर गोवा पुलिस ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर रविवार रात भरत को अरेस्ट कर लिया। 'बर्च बाय रोमियो लेन' आग मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी हुई है। आरोपी भारत (49 वर्ष) पुत्र करण सिंह कोहली, निवासी 2530, सेकंड फ्लोर, पंजाबी बस्ती, सब्जी मंडी, जो मालिकों की तरफ से दुकान के रोजाना के काम को मैनेज करता था। पुलिस की एक टीम पहले से ही दिल्ली में है ताकि मामले में वॉन्टेड दुकानों के मालिकों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। इसके अलावा, दुकान को अलग-अलग परमिट और लाइसेंस जारी करने में शामिल सरकारी अधिकारियों को नियमों का पालन न करने और नियमों के उल्लंघन को वेरिफाई करने के लिए जांच के लिए बुलाया गया है। गोवा में 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब राजधानी पणजी से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्लब रात को लगभग 1 बजे शुरू होता है। हादसे के दौरान क्लब में लगभग 100 लोग मौजूद थे। एक बजने में समय था, इसलिए

लोग धीरे-धीरे क्लब में इक्ट्ठा हो रहे थे। 'बर्च बाय रोमियो लेन' क्लब के इंस्टाग्राम पेज के अनुसार, शनिवार की रात को क्लब में 'बॉलीवुड बैंगर नाइट' का आयोजन होना था। इसके लिए क्लब में डीजे और डांसर भी आने वाले थे। एक बजे से डीजे नाइट की शुरूआत होनी थी। हालांकि, इससे पहले 12:04 बजे ही हादसा हो गया।

हनी ट्रैप के जरिए ठगी, डेटिंग एप पर महिला की फर्जी आईडी बनाकर लोगों को बनाता था शिकार; आरोपी गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। दक्षिणी पश्चिमी साइबर थाने की टीम ने भी ऐसे ही एक अलग मामले में युगांडा मूल के आरोपी को संत नगर से दबोचा है। आरोपी माइकल इगा डेटिंग एप पर महिला की आईडी से लोगों से दोस्ती करता। हनी ट्रैप में फंसाने के लिए अपनी गर्लफ्रेंड की फोटो डालता। खुद को किसी बड़ी कंपनी का कर्मचारी बताकर प्रोडक्ट में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर निवेश कराता था। ऑनलाइन रकम ऐंठ लेने के बाद पीड़ितों को ब्लॉक कर देता था। पुलिस को आरोपी माइकल इगा की एनसीआरपी पर दर्ज करोड़ों के साइबर ठगी के 14 मामलों में संलिप्तता भी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि किशनगढ़ निवासी युवक की ओर से शिकायत मिली थी। पीड़ित ने बताया कि डेटिंग ऐप "हैप्पन" से एक लड़की का मोबाइल नंबर मिला। लड़की ने धीरे-धीरे उसका भरोसा जीत लिया और खुद को ब्यूटी-प्रोडक्ट्स कंपनी "एचेम" की कर्मचारी बताकर असम से दो लाख रुपये प्रति लीटर में एक रेयर तेल खरीदने और फिर उसे साढ़े तीन

लाख रुपये लीटर में बेचने का आफर दिया। कई बैंक अकाउंट पर उन्होंने 1,90,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके कुछ ही देर बाद आरोपी ने उसे ब्लॉक कर दिया। एफआईआर दर्ज कर जब जांच शुरू की गई तो तेल बिजनेस की कहानी फर्जी निकली। साइबर थाने के एसएचओ प्रवेश कौशिक ने नेतृत्व में एडवांस्ड टेक्निकल सर्विलांस, डिजिटल फुटप्रिंट एनालिसिस और मनी-ट्रेल मैपिंग का इस्तेमाल करके टीम ने दिल्ली-एनसीआ के अलग-अलग हिस्सों से काम कर रहे आरोपियों का पता लगाया। गुरुग्राम, महरौली, बुराड़ी और आस-पास के इलाकों में कई बार छापामारी की गई, पर आरोपी बचने के लिए बार-बार जगह बदलते रहे। आखिरकार टीम ने बुराड़ी से युगांडा के नागरिक माइकल इगा को पकड़ा। उसके पास से चार मोबाइल फोन, 22,500 रुपये नकद, एक लैपटॉप और 6 डेबिट कार्ड बरामद किए, जिनका इस्तेमाल धोखाधड़ी के पैसे लेने और घुमाने में किया गया था। अमित गोयल ने बताया कि आरोपी एनसीआरपी पर दर्ज 14 केस से जुड़ा है, जिसमें कई राज्यों में कई करोड़ के ट्रांसजैक्शन हुए हैं। उसकी गिरफ्तारी एनसीआर में चल रहे क्रास-बॉर्डर साइबर रोमांस और इन्वेस्टमेंट फ्रॉड नेटवर्क को खत्म करने में एक बड़ी कामयाबी है। गैरकानूनी तरीके से रह रहा था आरोपी पूछताछ में आरोपी ने बताया कि लोगों से ऑनलाइन दोस्ती करने, उन्हें इमोशनली मैनिपुलेट करते हुए ज्यादा रिटर्न वाले निवेश का झांसा देने के लिए महिला की नकली आईडी का इस्तेमाल करता था। उन्हें लुभाने के लिए अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीरों का इस्तेमाल करता था। टारगेट तक पहुंचने के लिए

हरियाणा की छोरी ने इंदौर में जीता सिल्वर मेडल, चोट की वजह से पिता को छोड़नी पड़ी थी कुश्ती,अब बेटी में देख रहे सपने

पानीपत : पानीपत जिले के गांव नौल्था की 14 वर्षीय बेटी अनु ने मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल एथलीट प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर गांव में जिले का नाम रोशन किया। मेडल विजेता अनु ने महज 12:73 सेकंड में 100 मीटर की रेस में यह मेडल हासिल किया।

अनु ने बताया कि प्रतियोगिता में 64 लड़कियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में पुराना रिकॉर्ड तोड़ने का लक्ष्य लेकर पहुंची थी लेकिन एक बार फिर पुराना रिकॉर्ड रिपीट हो गया और वह दूसरा स्थान हासिल कर पाई। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में वह एशियन गेम और कॉमनवेल्थ गेम में गोल्ड मेडल जीत कर प्रदेश में जिले का नाम रोशन करना चाहती है।

मां-बाप व कोच को दिया जीत श्रेय

मेडल विजेता अनु ने कहा कि वह अपनी जीत का श्रेय अपने पिता- मां और कोच को देना चाहती हैं क्योंकि इन तीनों ही लोगों ने उन पर खूब मेहनत की है। अनु ने कहा कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं होती। अगर उन्हें परिवार का साथ मिल जाए तो वह लड़कों से भी ज्यादा मजबूत

साबित होती हैं। अनु ने कहा कि वह पहले भी जिला और राज्य स्तर पर काफी मेडल जीत चुकी है। पिता को कुश्ती के दौरान लगी चोट, खेलना छोड़ा वहीं अनु के पिता ने कृष्ण ने कहा कि वह खुद कुश्ती के खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन उन्हें कुश्ती के दौरान चोट लग गई थी जिसकी वजह से उन्हें खेल छोड़ना पड़ा लेकिन वह अपने सारे सपने अपनी बेटी में देख रहे है। उन्होंने बताया कि पिछले 13 साल तक खुद उन्होंने ही बेटी को कोचिंग दी, लेकिन अब उन्हें एक कोच मिला है जिसके बाद वह खूब मेहनत कर रही हैं। पिता कृष्णा ने कहा कि हमारी उम्मीद थी कि बेटी गोल्ड मेडल हासिल करेगी लेकिन प्रतियोगिता में उनसे भी बेहतर खिलाड़ियों से उनका सामना हुआ जिसकी वजह से बेटी दूसरे स्थान पर रह गई। उन्होंने कहा कि बेटी आने वाले समय में इससे भी अच्छी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी और हमारी उम्मीदों पर खरा उतरेगी। आपको बता दें कि बेटी अनु नौल्था गांव के निजी स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा है। उन्होंने बताया कि स्कूल की तरफ से उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है और यही वजह है कि वह पढ़ाई के साथ-साथ खेल को समय दे पा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल द्वारा भी उन्हें कल सम्मानित किया गया है।

खबर एक्सप्रेस

हाइड्रा की चपेट में आने से अधेड़ उम्र के व्यक्ति की मौत, पत्नी भी पिछले 6 साल से चल रही बीमार

फरीदाबाद : फरीदाबाद की एक ऑटो पार्ट्स कंपनी में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। करीब 50 वर्षीय कर्मचारी जगदीश हाइड्रा मशीन के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हाइड्रा चालक की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दे रही है। परिजनों का आरोप है कि घटना के करीब 2 घंटे बाद उन्हें सूचना दी गई। इससे गुस्से में आकर परिवार वालों ने कंपनी प्रशासन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर विरोध किया।जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी भी पिछले 6 साल से बीमारी के कारण बिस्तर पर हैं। अब पति की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूध पिलाते समय 20 दिन की बच्ची की मौत, परिवार में मातम, नामकरण की सोच रहे थे परिजन

झज्जर : झज्जर जिले के गांव दुजाना में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। मात्र 20 दिन की नवजात बच्ची की घर में दूध पिलाते समय तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तत्काल बेरी नागरिक अस्पताल ले जाया गया। लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, गांव दुजाना निवासी सुरेंद्र की नवजात बेटी को उसकी मां गोद में दूध पिला रही थी। इसी दौरान बच्ची की सांस रुकने जैसी स्थिति बन गई और वह अचानक बेसुध हो गई। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन बच्ची को बचाया नहीं जा सका। जांच अधिकारी लाल सिंह ने बताया कि सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत शव का पोस्टमार्टम झज्जर नागरिक अस्पताल में करवाया गया और बाद में परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इसे दुर्घटनावश हुई मौत मानते हुए औपचारिक कार्यवाही पूरी की है।वहीं परिवार ने बताया कि बच्ची के पैदा होने के बाद उसके नाम के बारे में सोच रहे थे। जल्द ही उसका नामकरण किया जाना था, लेकिन इससे पहले ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में इस घटना के बाद शोक का माहौल है।

भीषण हादसे का शिकार हुए 3 दोस्त, 2 की मौत...मृतकों में एक की पिछले महीने हुई थी शादी

हिसार : हिसार जिले के गांव उगालन के पास भीषण हादसा गया यहां दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों दोस्त बाइक पर काम की तलाश में जींद गए थे। वापस लौटते समय गांव के पास बाइक बेकाबू होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में अंकुश व मनमोहन की मौत हो गई और संजीव की गंभीर हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि उगालन निवासी मनमोहन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और अंकुश की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। हादसे में दो दोस्तों की मौत से मातम छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों गहरे दोस्त थे। फिलहाल पुलिस अब हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

धान घोटाले में बड़ी कार्रवाई, 6 मार्केट कमेटी सचिव पर चार्जशीट

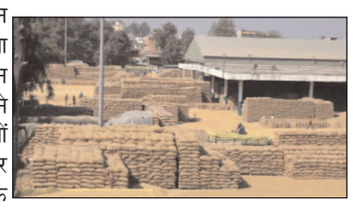

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले में धान घोटाले का मामला गहराता जा रहा है। जांच के दौरान अनियमितताओं के संकेत मिलने पर जिले की 6 मार्केट कमेटियों के सचिवों को चार्जशीट कर दिया गया है। इनमें थानेसर के हरजीत सिंह, पिहोवा के बलवान सिंह, शाहाबाद के कृष्ण मलिक, पिपली के गुरमीत सिंह, इस्माइलाबाद के चंद्र सिंह और लाडवा के संत कुमार शामिल हैं। जांच टीम ने एसपी कुरुक्षेत्र को इन कमेटियों के आईपी एड्रेस की साइबर सेल से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही डीएफएससी विभाग से गेट पास रिकॉर्ड, डेटा, गेट कीपर आईडी और लॉगिन विवरण मांगा गया है। सचिवों पर आरोप है कि उन्होंने मिलर्स को अवैध रूप से गेट पास जारी करने के लिए अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड उपलब्ध करवाए। किसानों ने भी फर्जी गेट पास बनने की शिकायतें सरकार और प्रशासन तक पहुंचाई थीं। इस मामले में इस्माइलाबाद के पूर्व सचिव चंद्र सिंह का कहना है कि जांच में आईपी एड्रेस को लेकर कार्यवाही हुई है, लेकिन पासवर्ड साझा करने का आरोप निराधार है। उनका कहना है कि सीजन में सिस्टम फेल होने पर कई बार मोबाइल से गेट पास जारी किए जाते हैं। मामले की आगे की जांच जारी है और प्रशासन आधिकारिक बयान देने से बच रहा है।

नरवाना में गैस सिलेंडर फटने से घर लगी भीषण आग, चाय बनाते समय हुआ हादसा

जींद : जींद जिले में नरवाना के ढाकल गांव में आज सुबह घर में गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई। जिससे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया और मकान की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही, प्रशासन और दमकल विभाग को भी घटना की जानकारी दी गई। आग बुझने के बाद मकान की छत टूटकर गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह महिला घर पर चाय बनाने के लिए सिलेंडर के पास गई थी, तभी अचानक आग लग गई। परिवार के सदस्यों ने तुरंत घर से बाहर निकलकर जान बचाई। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से परिवार को तत्काल मुआवजा और आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

जेजेपी की रैली पर बोले कांग्रेस सांसद जयप्रकाश, इनेलो–जजपा के बीच चल रहा रैलियों का कंपटीशन

हिसार : जननायक जनता पार्टी द्वारा रविवार को जींद में रैली का आयोजन किया गया। रैली पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने कहा कि स्थापना दिवस पर सभी पार्टियां अपनी रैली करती है। कुछ समय पहले इनेलो ने भी अपनी पार्टी का स्थापना दिवस मनाया था। जयप्रकाश ने कहा कि इनेलो और जजपा में कॉम्पिटिशन चल रहा है। दोनों पार्टी के नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार पूरी तरह से वोट चोरी पर बनी हुई है। वोट चोरी को लेकर आगामी 14 तारीख को महारैली होने जा रही है। जय प्रकाश ने कहा कि बिहार चुनाव में भी वोट की महा चोरी हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में दूसरे राज्यों के कैंडिडेट्स को भर्ती किया गया है। हरियाणा के नौजवानों के साथ यह एक षड्यंत्र रचा गया है। सरकार के मंत्री ना तो रोजगार पर चर्चा करते हैं और न ही महँगाई और विकास जैसे मुद्दों पर। जय प्रकाश ने कहा कि बिजेंद्र सिंह कांग्रेस पार्टी में नए-नए आए हैं। उन्हें भी पार्टी के तौर तरीकों को सीखना होगा। अभय सिंह चौटाला पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जयप्रकाश ने कहा कि वे हमेशा कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ बोलते रहे हैं।

डॉक्टरों की हड़ताल, मरीज बेहाल, धक्के खाने को मजबूर मरीज

गुड़गांव : अपनी मांगों को लेकर हरियाणा सिविल सर्विसेज एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेश भर के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों द्वारा सीधे तौर पर एसएमओ भर्ती रोकने और एसीपी ग्रेड लागू करने की मांग की जा रही है। इस हड़ताल का सीधा असर मरीजों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों को दवा के स्थान पर केवल धक्के खाने को मिल रहे हैं। हालांकि सिविल अस्पताल की व्यवस्था को सुधारने के लिए पीएमओ डॉ लोकवीर सिंह आगे आए और उन्होंने एडमिनिस्ट्रेशन के कार्य में लगे डॉक्टरों और इंटर्न के सहारे व्यवस्था संभालने का प्रयास तो किया, लेकिन यह प्रयास नाकाफी रहे। सुबह से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों को परेशान ही होना पड़ाअस्पताल में आए मरीजों अंजलि, ललन पासवान, अमन, तुलसी देवी, पायल, सन्नी सहित अन्य ने बताया कि वह सुबह से ही अस्पताल में आए हुए हैं।घंटों लाइन में लगकर उन्होंने रजिस्ट्रेशन कार्ड तो बनवा लिया, लेकिन जब वह ओपीडी में गए तो पता लगा कोई डॉक्टर ही नहीं है। यहां वह परेशान होकर जब अस्पताल प्रबंधन से बात करने पहुंचे तो उन्होंने जल्द ही डॉक्टरों को ओपीडी में भेजने की बात कही,लेकिन दोपहर तक हालात जस के तस रहे। दोपहर को पीएमओ की तरफ से इंटर्न के सहारे मरीजों को दवाएं दी गई।पीएमओ डॉ लोकवीर की मानें तो सिविल अस्पताल में व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है! डॉक्टरों की डायरेक्टर एसएमओ भर्ती की मांग को सरकार पहले ही मान चुकी है, जिसके कारण ज्यादातर डॉक्टर हड़ताल में शामिल नहीं हुए। हालांकि सुबह 120 डॉक्टरों में से 70 ने हड़ताल करनी थी, लेकिन ज्यादातर डॉक्टर ड्यूटी पर लौट आए हैं।

सरकार और एसोसिएशन की बात चल रही है। आशा की जा रही है कि दो दिन की हड़ताल आज ही शाम को समाप्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल का असर इमरजेंसी सेवाओं पर नहीं है। प्रयास है कि सभी मरीजों को दवा देकर भेजा जाए।

गर्ल फ्रेंड को इंप्रेस करने के लिए ड्राइवर बना लुटेरा, हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार

गुड़गांव : गर्ल फ्रेंड को इंप्रेस करने के लिए एक ड्राइवर ने अपने ही मालिक को लूट लिया। तीन महीने पहले नौकरी पर आए इस ड्राइवर ने मालिक की न केवल गाड़ी बल्कि करीब 9 लाख रुपए भी लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना मिलते ही गुड़गांव पुलिस ने केस दर्ज कर जांच करते हुए आरोपी ड्राइवर को करीब एक महीने बाद हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति से गिरफ्तार किया है। आरोपी को हिमाचल प्रदेश से गुड़गांव लाने के बाद अदालत में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है।पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि उसने फैजाबाद उत्तर प्रदेश के रहने वाले राहुल को करीब चार महीने पहले नौकरी पर रखा था। 7 नवंबर को वह राहुल उन्हें गाड़ी में लेकर जा रहा था। जब वह गुड़गांव पहुंचे तो राहुल ने उन्हें गाड़ी से नीचे उतार दिया और उनकी टोयटा लेक्सस गाड़ी सहित 9 लाख रुपए लूट लिए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले को जांच के लिए अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीम को सौंप दिया। अपराध शाखा इंचार्ज इंस्पेक्टर नरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिमाचल प्रदेश से काबू कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक तौर की जांच में सामने आया कि उसने अपनी गर्ल फ्रेंड के साथ एन्जॉय करने और लग्जरी लाइफ जीने के लिए ही इस वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जाएगा। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के इस किसान को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार, पूर्व राष्ट्रपति भी कर चुके हैं सम्मानित

कैथल : कैथल जिले के गांव कैलरम के प्रगतिशील किसान ईश्वर कुंडू को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा राष्ट्रीय स्तर के मिलेनियर फार्मर ऑफ द ईयर 2025 अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन किसानों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी सोच और नवाचार से खेती को न सिर्फ लाभकारी बनाया, बल्कि कृषि क्षेत्र में नई दिशा भी दी। इस सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार को नई दिल्ली के पूसा ग्राउंड में होगा, जहां पूरे देश से चयनित किसान शामिल होंगे। कैथल जिले से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए केवल ईश्वर

कुंडू का चयन होना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।पढ़ाई के बावजूद ईश्वर कुंडू ने खेती को पूरी तरह रसायनमुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया और लंबे समय तक जैविक खेती पर शोध किया। सीमित संसाधनों के साथ उन्होंने ऐसे जैविक उत्पाद तैयार किए, जिन्हें न सिर्फ देश बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। उनके उत्पादों का परीक्षण पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र कैथल और सिंजेंटा जैसे संस्थानों ने छह राज्यों में किया, जहां पैदावार में 21 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

उनकी पहली नवाचार को किसानों ने वर्ष 2004 में ही कमाल का नाम दे दिया था। ईश्वर कुंडू की उपलब्धियों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और रामनाथ कोविंद भी सम्मानित कर चुके हैं। इसके अलावा, उनका नाम कई बार लिम्का और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है।

हरियाणा डीजीपी ने लॉन्च किया नया पीभीआर मॉडल, ऑनलाइन ठगी से बचने का बताया आसान तरीका

हरियाणा : हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने बीते दिन रविवार को नया और बेहद सरल नागरिक-सुरक्षा फॉर्मूला पेश किया। यह है पीवीआर। यानी पाउस, वेरिफाई और रिपोर्ट। डीजीपी ने इस मॉडल को ऑनलाइन ठगी और डिजिटल स्कैम से बचने के लिए अपनाया जा सकने वाला हथियार बताया है। पाउसः पाउस का मतलब है रुकिए। यानी स्कैमर आपकी घबराहट पर निर्भर करता है। दो सेकंड रुक जाएं, इससे उनका खेल खत्म हो जाएगा।

वेरिफाइ यानी जांचिए : नंबर, लिंक और मैसेज की असलियत चेक करें। कोई असली संस्था आपसे भागदौड़ में जानकारी नहीं मांगती। रिपोर्ट : अगर जरा भी शक हो, तुरंत 1930 पर कॉल करें। डीजीपी ने स्कैम रोकने का नया मंत्र बताया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में चौबीसों घंटे, सात दिन 1930 साइबर हेल्पलाइन, जिला-स्तर पर साइबर पुलिस स्टेशन, विशेष फारेंसिक टीमें और एफआइआर के बिना रिफंड सिस्टम जैसी सुविधाएं नागरिकों को तुरंत सहायता देने के लिए तैयार हैं।

अब रेलवे स्टेशन होंगे हाईटेक, एयरपोर्ट की तर्ज पर लगेंगी ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन

अंबाला : अंबाला रेल मंडल यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशनों को आधुनिक रूप देने की तैयारी में है। इसी क्रम में एयरपोर्ट की तरह अब स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी, जिनसे सिक्का या नोट डालते ही चाय, कॉफी व अन्य खाद्य पदार्थ मिल सकेंगे। इस परियोजना की शुरूआत सबसे पहले अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन से की जाएगी। स्टेशन पर वर्तमान में चार वेटिंग रूम हैं, लेकिन इनमें खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं है। यात्रियों को पानी, स्नैक्स या चाय लेने के लिए प्लेटफार्म पर स्थित स्टॉल या भोजनालय तक जाना पड़ता है। वेंडिंग मशीनें इन वेटिंग रूम में लगाई जाएंगी, ताकि यात्रियों को वहीं बैठकर आवश्यक सामान मिल सके।

इस योजना को लागू करने के लिए रेल मंडल का वाणिज्य विभाग सक्रिय हो चुका है।

स्टेशन पर तैनात वाणिज्यिक प्रबंधन निरीक्षक (CMI) ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही योजना का प्रस्ताव मंडल रेल प्रबंधक के सामने रखा जाएगा। इसके बाद मशीन सप्लायर कंपनियों से बातचीत व निविदा प्रक्रिया शुरू होगी। योजना के सफल होने पर इसे अंबाला मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी लागू किया जाएगा। यात्रियों की उम्मीद है कि यह सुविधा स्टेशन पर इंतजार को और अधिक सहज और सुविधाजनक बनाएगी।

सरकार ने एचकेआरएन को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मानक संचालन प्रक्रिया की जारी

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने एक कड़ी मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है, जिसमें सभी विभागों, बोर्डों और निगमों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड को देय एकमुश्त राशि का भुगतान समय पर और एकरूपता के साथ करें। इस प्रक्रिया में विशेष रूप से एक सरल व्यवस्था के माध्यम से कर्मचारी भविष्य निधि के समयबद्ध और सुचारू अनुपालन पर बल दिया गया है।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और बोर्डों के प्रबंध निदेशकों को भेजे गए पत्र में कहा है कि नई प्रक्रिया का उद्देश्य निगम के माध्यम से तैनात संविदा कर्मचारियों के लिए भुगतान में समानता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि कानूनी दायित्व–विशेषकर कर्मचारी भविष्य निधि से संबंधित–विभागों द्वारा भविष्य निधि खातों को सीधे संचालित किए बिना समय पर पूरे हो सकें। मानक संचालन प्रक्रिया में भुगतान प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारियां स्पष्ट की गई हैं। कार्यालय प्रमुख को अभिलेख सत्यापित करने और वेतन वितरण में देरी रोकने के लिए समय पर प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने की जिम्मेदारी दी गई है। आहरण तथा संवितरण अधिकारी को इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका दी गई है। उन्हें बिल, उपस्थिति और तैनाती अभिलेखों की जांच करनी होगी।

निगम को देय राशि का भुगतान प्रत्येक माह की 7 तारीख से पहले सुनिश्चित करना होगा; निगम के पोर्टल पर कर्मचारी भविष्य निधि तथा कर्मचारी राज्य बीमा से संबंधित सही जानकारियाँ दर्ज करनी होंगी और कार्यमुक्ति या मातृत्व अवकाश से जुड़ी सूचनाएँ अद्यतन करनी होंगी। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कर्मचारी राज्य बीमा के अंतर्गत आने वाले किसी कर्मचारी की दुर्घटना की सूचना 24 घंटे के भीतर निगम को भेज दी जाए और भुगतान केवल निगम के बिल में उल्लिखित निर्धारित बैंक खाते में ही जमा किया जाए।लेखा शाखा को सभी गणनाओं की जांच कर निगम के निर्धारित बैंक खाते में राशि भेजने का दायित्व सौंपा गया है। समन्वय अधिकारी को तैनात मानवबल से संबंधित अभिलेखों, आवश्यक स्पष्टीकरणों और विवाद निपटान के मामलों में निगम से तालमेल करने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रक्रिया में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निगम द्वारा भेजे गए समेकित मासिक बिल में कर्मचारी विवरण, वेतन, वैधानिक अंशदान तथा सेवा शुल्क शामिल होंगे। आहरण तथा संवितरण अधिकारी को इन अभिलेखों की पुष्टि कर इन्हें कार्यालय प्रमुख को स्वीकृति हेतु भेजना होगा। स्वीकृति मिलने के बाद विभाग को केवल निगम के निर्धारित बैंक खाते में ही भुगतान करना होगा। विभागों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे कर्मचारी भविष्य निधि से संबंधित राशि भविष्य निधि संगठन में सीधे जमा न करें। सभी विभागों को एक मासिक भुगतान अभिलेख पंजी बनाए रखने तथा बिलों, उपस्थिति पत्रकों, भुगतान प्रमाणों और अन्य अभिलेखों को लेखा परीक्षा हेतु सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। संविदा कर्मचारियों की भविष्य निधि संबंधी शिकायतों का निपटान निगम के माध्यम से ही किया जाएगा।मानक संचालन प्रक्रिया में यह भी कहा गया है कि समय पर सत्यापन और भुगतान जारी करना निगम द्वारा वेतन वितरण तथा कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। किसी भी बिल में विसंगति पाए जाने पर इसे तीन कार्य दिवसों के भीतर निगम को सूचित करना अनिवार्य होगा। विभागों, बोर्डों और निगमों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे निगम के माध्यम से तैनात कर्मचारियों के साथ वेतन या भविष्य निधि से संबंधित किसी भी प्रकार का प्रत्यक्ष अनुबंध न करें। सभी आहरण तथा संवितरण अधिकारियों को इन नई प्रक्रियाओं का तत्काल और कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा , तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज़ जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज़ गेंदबाज़ी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचनाः 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेज़ी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 द्मद्बश्चद्ध के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।÷

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज़ बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द वुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन ।इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था।इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है।कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा।ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी।उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे।रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये।बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं।इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये।इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय औार दक्षिय अफीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए।उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं।भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं।उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है।एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता।ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं।आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है।उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल करा भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका से गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्राक रुख से वेल्स पर परे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरुर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो ।पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है।शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारुपों को अलविदा कहना चाहते हैं।उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारुपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है।साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था।उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारुपों से रिटायर नहीं हुआ हूं।ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारुपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं।मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है।गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं।छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं।शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे।उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे।इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले।भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है।इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार वयक्त कर सके।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे।सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है।सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है।ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है।हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरीज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी। वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई। भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा।ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे।डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली।दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी।बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी।तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी।तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का ढ्ढस्स्स्न वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

मस्ती 4 फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने मस्ती 4 जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया।

उन्होंने कहा, इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। मस्ती 4 एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर मस्ती फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। मस्ती 4 सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

क्या दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी कल्कि 2898 एडी 2 से बाहर?

प्रियंका ने भी रखी शर्त

साल 2024 में दीपिका पादुकोण फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आई थीं। इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है। इसमें भी दीपिका नजर आने वाली थीं, मगर उन्होंने फिल्म छोड़ दी। दीपिका के फिल्म का हिस्सा न होने की बात का एलान मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करके किया था।

झमीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने फीस में इजाफा किया था और साथ ही आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी, जिस पर मेकर्स के साथ सहमति नहीं बनी। बीते दिनों खबर आई कि दीपिका की जगह प्रियंका चोपड़ा फिल्म का हिस्सा बनेंगी। मगर, देसी गर्ल को साइन करना मेकर्स के लिए आसान नहीं है।

क्या दीपिका को रिप्लेस करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

एक तरफ खबरें चल रही हैं कि कल्कि 2 में प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस कर दिया है। वहीं, अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा की एंट्री मुश्किल लग रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए प्रियंका चोपड़ा से बातचीत चल रही है। हालांकि, मेकर्स को वैसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी वजह से दीपिका पादुकोण ने फिल्म छोड़ी थी। खबर है कि एक्ट्रेस ने दीपिका जितनी ही फीस मांगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण की जगह लेने के लिए और भी फीमेल स्टार्स रेस में हैं। इस रोल के लिए आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी एक्ट्रेस के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं जो स्टार पावर के मामले में प्रभास के बराबर हो। मालूम हो कि फिल्म से दीपिका के बाहर होने की ऑफिशियल घोषणा कल्कि 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से की थी। पोस्ट में लिखा था, यह ऑफिशियली घोषणा है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। बहुत सोच-विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रियंका ने रखी हैं ये डिमांड

इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने काम के घंटों में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड भी रखी है। एक सोर्स ने वेबसाइट को बताया, प्रियंका चोपड़ा ने अपने टाइम और शेड्यूल में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड रखी है, ताकि वे अपनी बेटी मालती को वक्त दे सकें। हालांकि, यह कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि प्रियंका अपनी बेटी के साथ लोकेशन पर ट्रैवल करने के लिए तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मेकर्स की बातचीत बन पाती है या देसी गर्ल भी इस फिल्म को छोड़ देंगी।

राहु केतु को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित सम्राट

अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म राहु केतु से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुक़ाम है, जिसका इंतज़ार उन्हें बचपन से था। अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, राहु केतु को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूँ, क्योंकि यह मेरी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फ़िल्में देखकर बड़ा हुआ हूँ, और आज जब मैं खुद ऐसी फ़िल्म का हिस्सा बना हूँ तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफ़र पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फ़िल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फ़ैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फ़िल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताज़ा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फ़िल्ममेकिंग के अंदाज़ में साकार होते हुए।

तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया जवाब

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया। एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें। एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा सवी। इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सवी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ। एक और यूजर ने उनसे पूछा क्या आपका तलाक हो चुका है? इस पर दिव्या ने कहा नहीं। हालांकि लोग यही चाहते हैं। दिव्या खोसला ने साल 2005 में भूषण कुमार से शादी की थी। कुमार फिल्म और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में दिव्या खोसला फिल्म एक चतुर नार में नजर आईं। इसमें नील नितिन मुकेश भी थे।

ऐतिहासिक किरदार निभाना चाहती हैं कृति खरबंदा

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल-ए-आज़म, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल-ए-आज़म और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो ऐतिहासिक हो। गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक ऐसी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, मेरे लिए ज्यादा स्क्रीन प्रेज़ेंस से ज्यादा ज़रूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है। इसके अलावा इस बायोपिक को करने की एक वजह यह भी है कि मैं सानिया मिर्ज़ा की प्रेरणादायक कहानी से काफी प्रभावित हूँ।

अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है

पंकज त्रिपाठी वो एक्टर हैं जिनकी आंखों में अभिनय से ज्यादा अनुभव घुला है। वह कहते हैं कि मैं अभिनय को ध्यान मानता हूं और जीवन को प्रयोग। उन्होंने संघर्ष के दिनों से जो धैर्य सीखा, वो आज भी उनके भीतर स्थिर है। सफलता उन्हें मोहित नहीं करती और असफलता विचलित नहीं करती। वह अपने अभिनय में संवाद से ज्यादा भाव पढ़ते हैं और कहते हैं कि कैमरा झूठ नहीं पकड़ता। अब जब वह बहुत कुछ पा चुके हैं तो 20 साल पहले वाला मस्ती भरा पंकज फिर पाना चाहते हैं, जो दोस्तों को डराने के लिए नींबू-सिंदूर रख आता था। अब उन्हें ना 'सेंस' चाहिए, ना 'गुरुज्ञान'। पंकज कहते हैं कि अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है। खास बातचीत में उन्होंने वही सब बताया, जो इंटरव्यू की तयशुदा लकीरों से बाहर था।

जिंदगी जितनी गहरी, अभिनय उतना सच्चा

पंकज त्रिपाठी बोले, मैंने सात्विक अभिनय करना एनएसडी से सीखा। वहां अपने समकक्षों के साथ रहकर, उनकी ऐक्टिंग देखकर और उनकी थ्योरी समझकर इसे जाना। सात्विक अभिनय नाट्य शास्त्र का हिस्सा है, जिसमें अभिनय को चार वर्गों में बांटा गया है, आंगिक (शारीरिक), वाचिक (वाणी से), अहार्य (मेकअप-कॉस्ट्यूम) और सात्विक (आंतरिक भाव)।

सात्विक अभिनय वह है, जो दिखता नहीं, सिर्फ महसूस होता है और यही सबसे कठिन होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसे क्लासिकल सिंगर 35 की उम्र के बाद निखरता है, वैसे ही सात्विक अभिनय भी उम्र और अनुभव की साधना से आता है। ये केवल एक्टिंग नहीं बल्कि जीवन की समझ से जुड़ा होता है। ऐक्टर की सबसे बड़ी कला उसकी जिंदगी ही होती है। जिंदगी में हर तरह के रस शृंगार, हास्य, करुण खुद बनते हैं। ये जीवन में क्रिएट हो रहे हैं और अभिनय में इन्हें रीक्रिएट करना है। अगर रीक्रिएट करना है तो साधना चाहिए, जो निरंतर अभ्यास से आएगी।

धैर्य सबसे बड़ा सबक, बाकी सब बोनस

संघर्ष के दिनों से मुझे सबसे बड़ा सबक मिला धैर्य। यही आज भी मेरे भीतर बसा हुआ है। इससे बड़ा कुछ नहीं। अगर आप अपने रास्ते पर ईमानदारी और जागरूकता के साथ चलते रहो, बिना ज्यादा मांगे या लालसा के तो बहुत कुछ अपने-आप मिलने लगता है, इतना कि जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती है। मैंने यही अनुभव किया। मैं सच्चा था अपनी मेहनत और नीयत के प्रति। कभी किसी का बुरा नहीं चाहा और ना किसी की चमचागिरी की। सच कहूं तो मैंने ऊपरवाले से भी कुछ खास मांगा नहीं था। मैं सिर्फ यही सोचकर आया था कि अच्छा काम करना है। हां, कुछ छोटी भौतिक इच्छाएं थीं जैसे एक छोटा घर हो जाए, एक गाड़ी हो जाए। हालांकि, आज जो कुछ भी हो रहा, वो सब बोनस की तरह है। मेहनत और धैर्य अगर साथ हैं तो जीवन बहुत कुछ दे देता है।

एक ही जीवन है तो प्रयोग भी जरूरी हैं

कभी-कभी सोचता हूं कि क्या ये विनम्रता, यह जीवन-दर्शन मेरे संस्कारों का बोझ तो नहीं बन गए? या क्या ये मेरी खुद की समझ है? जीवन एक ही है तो प्रयोग करना भी जरूरी है। अगर एक अनुभव देख लिया है तो अब थोड़ा उदंड अनुभव भी कर लिया जाए। यहां उदंडता का मतलब है, हर किसी की वेदना खुद में समा लेना। मेरे साथ यही होता है कि मैं स्पंज की तरह औरों का दुख सोख लेता हूं और वही मुझे सबसे ज्यादा तोड़ता है। कल किसी ने मुझसे राजनीति में आने की बात की। मैंने कहा कि मेरी इसमें कोई खास रुचि नहीं है और मैं नहीं जानता कि कल क्या होगा। वो एक आईएएस अधिकारी थे। बोले, 'तुम जैसे लोगों को भगवान ने कुछ सोचकर ही बनाया होगा।' मैं रात को इसी सोच में पड़ गया, वो ऐसा क्यों बोले होंगे?

अब फिर से मस्तीखोर पंकज बनना चाहता हूं

अब मैं चाहता हूं कि फिर से वही पंकज बन जाऊं जो 20 साल पहले था। तब मैं उदंड तो नहीं था लेकिन मस्तीखोर जरूर था। पढ़ाई के दिनों की बात है, एक दोस्त काले जादू से डरता था तो मैं हर दूसरे दिन उसके कमरे के बाहर नींबू, सुई, सिंदूर रख आता था और फिर उसका डर देखता था। वो ड्रामा बड़ा मजेदार होता था। अब सोचता हूं, वो पंकज कहां चला गया? हर जगह कुछ ना कुछ खुराफात करता रहता था। अब मन करता है कि वो पुराना वाला पंकज फिर से लौट आए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।